INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-266 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शुक्रवार, 20 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बदलाव

राजस्थान के महलों से विदेशों तक बढ़ा डेस्टिनेशन वेडिंग का क्रेज

मथुरा से विदेशों तक शाही शादियों का जलवा, पांच करोड़ तक खर्च

चार्टर्ड प्लेन से 250 बारातियों को लेकर पहुंचा उद्योगपति परिवार

यूनिक समय, मथुरा। शादी को यादगार बनाने की चाह अब मथुरा के कुछ परिवारों को शहर की सीमाओं से बाहर ले जा रही है। पारंपरिक विवाह समारोहों की जगह अब शाही अंदाज में डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन बढ़ रहा है। कोई राजस्थान के आलीशान महलों में सात फेरे ले रहा है तो कोई विदेशों में शादी का जश्न मना रहा है। जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, गुरुग्राम और आगरा के साथ अब विदेशी ठिकाने भी मथुरा के परिवारों की पसंद बन रहे हैं।

शाही शादी के इस बढ़ते क्रेज की एक मिसाल मथुरा के एक उद्योगपति परिवार ने पेश



की। परिवार ने शादी समारोह के लिए विदेश को चुना और करीब 250 लोगों की पूरी बारात चार्टर्ड प्लेन से विदेश पहुंचाई। खास बात यह रही कि बारात में परिवार और रिश्तेदारों के साथ बैंड-बाजे वाले तथा शादी समारोह से जुड़े कर्मचारी भी शामिल थे। यानी शादी का जश्न मनाने के लिए पूरा इंतजाम ही विदेश में किया गया।

इस आयोजन ने शहर में खूब चर्चा बटोरी। डेस्टिनेशन वेडिंग अब केवल विवाह की रस्मों तक सीमित नहीं रह गई है। इसमें मेहंदी, हल्दी, संगीत, फेरे और रिसेप्शन जैसे कार्यक्रमों को अलग-अलग अंदाज में आयोजित किया जाता है। मेहमानों के ठहरने, खानपान, आवागमन और मनोरंजन की पूरी जिम्मेदारी आयोजक उठाते हैं। कई परिवार दो से तीन दिन तक चलने वाले समारोह की योजना बनाते हैं, ताकि रिश्तेदार और दोस्त शादी के साथ छुट्टियों का भी आनंद ले सकें। डेस्टिनेशन वेडिंग से जुड़े उत्कर्ष अग्रवाल का कहना है कि शादी और दावत जीवन में याद रखी जाए, इसके लिए कुछ परिवार खूब खर्च करने से नहीं चूक रहे हैं। मथुरा में भी यह चलन धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है।

आर्थिक रूप से सक्षम परिवार पारंपरिक विवाह समारोहों से आगे बढ़कर नए और अनूठे ठिकानों की तलाश कर रहे हैं। उनके लिए अब शादी का आयोजन कहां होगा और मेहमानों को कैसा अनुभव मिलेगा, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है जितना विवाह की रस्में।

पांच करोड़ तक पहुंच रहा शाही शादी का बजट

शादी के इस बदलते अंदाज में खर्च भी आयोजन की भव्यता के हिसाब से बढ़ रहा है। होटल और रिसॉर्ट की बुकिंग, मेहमानों की संख्या, चार्टर्ड विमान, सजावट, खानपान और मनोरंजन जैसी व्यवस्थाओं पर लाखों से करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। बड़े आयोजनों का बजट पांच करोड़ रुपये तक पहुंच रहा है। परिवार अब शादी को महज एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि जीवनभर याद रहने वाला उत्सव बनाने पर जोर दे रहे हैं।

मिलावटखोरों पर 1.15 करोड़ का जुर्माना, फिर भी सेहत से खिलवाड़

दूध-पनीर समेत खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामले सामने आए

दस माह में 244 मामलों का निस्तारण, अक्टूबर में 29 पर कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। खाद्य पदार्थों में मिलावट का खेल लोगों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। दूध में पानी मिलाने से लेकर पनीर में बसा की मात्रा कम रखने तक के मामले सामने आ रहे हैं। मिलावटखोर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के बावजूद इस पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है। हालांकि, मिलावट के मामलों में जुर्माने के रूप में सरकारी खजाने में बड़ी रकम पहुंच रही है।

खाद्य एवं औषधि विभाग प्रत्येक माह नियमित और विशेष अभियान



चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र करता है। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाता है। जांच रिपोर्ट में मानक के अनुरूप गुणवत्ता नहीं मिलने पर संबंधित मामलों को सुनवाई के लिए एडीएम न्यायालय भेजा जाता है। यहां सुनवाई के बाद दोषी खाद्य विक्रेताओं और खाद्य पदार्थ बनाने वाली कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाता है। एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार ने एक जनवरी से 30 अक्टूबर तक मिलावट से जुड़े 244 मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें संबंधित विक्रेताओं और कंपनियों पर कुल 1,15,08,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अक्टूबर माह में ही 29 मामलों में सुनवाई पूरी करते हुए 9.85 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

अक्टूबर में इन पर लगा जुर्माना

एडीएम न्यायालय में निपटाए गए खाद्य पदार्थों के मुकदमों में अशफाक अहमद भरतपुरगेट पर 15 हजार रुपये, प्रदीप जैन होलीवाली गली मथुरा पर 15 हजार, सुरेन्द्र थोक कथरिया पैगांव पर 15 हजार, नीलम चौधरी शिवजी नगर बाजना पर 15 हजार, प्रताप सिंह लक्ष्मणपुरा, हरनौल पर 15 हजार, यतेन्द्र कुमार महोली 65 हजार रुपये, राहुल खंडेलवाल जगन्नाथपुरी मथुरा पर 15 हजार रुपये, हरीराम मुखरारी पर 15 हजार रुपये, एवरटच लाइफ केयर यूपीएसआईडीसी, कोटवन पर तीस हजार, उमेश कुमार मांट पर 15 हजार रुपये, साहून खान विशम्भरा शेरगढ़ पर 15 हजार, उमेश कुमार मांट 15 हजार, महेन्द्र कुमार राया पर 15 हजार रुपये, जितेन्द्र सिंह गोसना पर 75 हजार रुपये, अशोक शर्मा छटीकरा पर 15 हजार, रूपकिशोर निकट राजीव एकेडमी 15 हजार, बल्देव भौरा खामन के पास मथुरा 55 हजार, बिट्टू खान नगला भूप सिंह थाना मांट 25 हजार, शाहरूख मछली मंडी मथुरा बीस हजार, अमर सिह भरतिया छाता पर 45 हजार, किर लाल हरनौल सुरीर पर 45 हजार, विजय ग्राम खामनी पर 55 हजार, नैचुरल फूड प्रो. बिचपुरी आगरा एक लाख, विष्णु कुमार गोवर्धन 45 हजार, कन्हैया लाल नटवर नगर, घौलीप्याऊ 65 हजार, नैचुरल फूड प्रो. एक लाख, रमेश चन्द्र यादव धोबीपाडा सदर बाजार 15हजार, अशोक मोहन शर्मा होली वाली गली मथुरा 10 हजार, साहून खान निवासी विशम्भरा शेरगढ पर 40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

सहायक आयुक्त खाद्य डा. जतिन कुमार सिंह ने बताया कि अनसेफ मिले नमूनों पर एडीएम न्यायालय ने एक जनवरी से 31 अक्टूबर माह के दौरान तक 244 प्रकरणों में करीब 1.15 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

स्व-गणना में पिछड़ा मथुरा-वृंदावन

सिर्फ 541 परिवारों ने कराई आईडी जनरेट

प्रदेश के 17 नगर निगमों में 16वें स्थान पर मथुरा-वृंदावन

जनगणना-2027 की तैयारियों के बीच जागरूकता बढ़ाना चुनौती

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना-2027 की तैयारियों के तहत स्व-गणना अभियान में मथुरा-वृंदावन नगर निगम की प्रगति बेहद धीमी है। नगर निगम क्षेत्र के करीब 1.77 लाख परिवारों की गणना की जानी है, लेकिन अब तक केवल 541 परिवारों ने ही स्व-गणना आईडी जनरेट कराई है। प्रदेश के 17 नगर निगमों में मथुरा-वृंदावन 16वें स्थान पर है। आंकड़े बताते हैं कि स्व-गणना को लेकर अभी लोगों में अपेक्षित जागरूकता नहीं है।

जारी प्रदेश स्तरीय रिपोर्ट के मुताबिक, मथुरा-वृंदावन नगर निगम क्षेत्र में कुल 1,77,174 परिवारों की गणना प्रस्तावित है। इसके लिए 1,792 एन्यूमरेशन ब्लॉक (ईबी) निर्धारित किए गए हैं। इसके सापेक्ष 19 नवंबर की रात नौ बजे तक महज 541 स्व-गणना आईडी जनरेट हुई थीं। निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले यह संख्या काफी कम है।

प्रदेश में स्व-गणना के मामले में कानपुर नगर निगम में सबसे अधिक 7,253 आईडी जनरेट हुई हैं। बरेली में 6,510 और लखनऊ में 5,399 आईडी दर्ज की गई हैं। आगरा में 3,364, गाजियाबाद में 3,119 और प्रयागराज में 2,989 परिवारों ने स्व-गणना आईडी बनवाई है। वहीं, अयोध्या में सबसे कम 383 आईडी जनरेट हुई हैं। प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों में कुल 52,03,608 परिवारों की अनुमानित गणना होनी है। इसके लिए 50,995 एन्यूमरेशन ब्लॉक बनाए गए हैं। अब तक प्रदेशभर में 43,226 स्व-गणना आईडी जनरेट हुई हैं। मथुरा-वृंदावन में कम भागीदारी के चलते प्रशासन के सामने लोगों को स्व-गणना के प्रति जागरूक करने और अधिक से अधिक परिवारों की भागीदारी सुनिश्चित करने की चुनौती है। जनगणना की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार की जरूरत महसूस की जा रही है। यह स्व-गणना रिपोर्ट 19 नवंबर की रात नौ बजे की है।

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह का कहना है आगामी दिनों में आइडी जारी होने में तेजी आएगी। अवकाश के दौरान नागरिक इस काम में बढ़-चढ़कर सहयोग निभाएंगे।

चार माह बाद खुले मांगलिक कार्यों के द्वार, बाजारों में बढ़ी रौनक

यूनिक समय, मथुरा। चार माह के चातुर्मास के बाद शुक्रवार को देवोत्थान एकादशी पर भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागृत हो उठे। इसके साथ ही विवाह और अन्य मांगलिक आयोजनों पर लगी रोक समाप्त हो गई। घरों में मंगल गीत गूंजने के साथ विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन और जनेऊ जैसे संस्कारों का सिलसिला शुरू होगा। तिथियों के फेर के चलते इस वर्ष देवोत्थान एकादशी दो दिन मनाई जा रही है। पहले दिन गृहस्थजन व्रत-पूजन करेंगे, जबकि दूसरे दिन वैष्णव परंपरा के अनुसार पर्व मनाया जाएगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी यानी देवशयनी एकादशी से कार्तिक शुक्ल



एकादशी तक भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में रहते हैं। इस चार माह की अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। इस दौरान विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। देवोत्थान एकादशी पर भगवान के जागने के साथ ही चातुर्मास समाप्त हो जाता है और शुभ कार्यों की शुरुआत होती है।

तिथि के फेर से दो दिन मनाई जा रही देवोत्थान एकादशी

तुलसी-शालिग्राम विवाह के साथ शुरू हुआ शुभ आयोजनों का सिलसिला

विद्वान शेखर भारद्वाज ने बताया कि पंचांग की गणना के अनुसार एकादशी तिथि के मान में अंतर होने के कारण इस बार पर्व दो दिन मनाया जा रहा है। गृहस्थजन पहले दिन व्रत और पूजन करेंगे, जबकि वैष्णव परंपरा के अनुयायी दूसरे दिन पर्व मनाएंगे। देवोत्थान एकादशी पर गन्ने का मंडप सजाकर भगवान विष्णु के चरण चिन्ह अंकित करने और तुलसी-शालिग्राम विवाह कराने की परंपरा है। बॉबी सारस्वत के अनुसार, शुक्रवार से विवाह, नए व्यापार और गृह प्रवेश के शुभ मुहूर्त शुरू हो गए हैं। मांगलिक आयोजनों की शुरुआत की आहट से बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। सराफा, कपड़ा, बर्तन, सजावट और बैंड-बाजा कारोबारियों के यहां खरीदारी के साथ बुकिंग का सिलसिला तेज हो गया है।

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें



ठाकुर बांकेबिहारी के दरस को श्रद्धालुओं से लबालब हुईं गलियां

पेज-12 पर

देवोत्थान एकादशी पर ब्रजभूमि में उमड़ा आस्था का सैलाब



शुक्रवार को कंकाली मंदिर से आगे बढ़ते परिक्रमार्थी।



देवोत्थान एकादशी पर हाथों में तुलसी के पौधे लेकर परिक्रमा लगातीं श्रद्धालु।



परिक्रमा शुरू करने से पहले क्वालिटी तिराहे पर बच्चे से दंडवत कराती मां।



शुक्रवार को देवोत्थान एकादशी पर वृंदावन की परिक्रमा लगाते श्रद्धालु।

कहीं नंगे पैर तो कहीं दंडवत होकर भक्तों ने लगाई परिक्रमा

यमुना में स्नान और दीपदान के लिए घाटों पर लगी भीड़

यूनिक समय, मथुरा। चार महीने के इंतजार के बाद देवोत्थान एकादशी पर ब्रजभूमि एक बार फिर भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। सुबह की पहली किरण के साथ ही मथुरा-वृंदावन की परिक्रमा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मंदिरों में दर्शन, सड़कों पर राधे-राधे के जयकारे और यमुना घाटों पर दीपदान के मनोरम नजारे ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ऐसा लगा मानो कान्हा की नगरी का हर रास्ता ठाकुरजी के भक्तों से भर गया हो।

वृंदावन की परिक्रमा में एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। यहां कई श्रद्धालु दंडवती परिक्रमा करते दिखाई दिए। भक्त जमीन पर लेटकर दंडवत प्रणाम करते और फिर उसी स्थान से आगे बढ़ते हुए अपनी आस्था प्रकट कर रहे थे। किसी के पैरों में चप्पल नहीं थी तो कोई हाथों में माला लेकर लगातार भगवान का नाम जपते हुए आगे बढ़ रहा था। उम्र की परवाह किए बिना महिला, पुरुष और बुजुर्ग श्रद्धालु परिक्रमा में जुटे रहे। रास्ते में जगह-जगह भजन और संकीर्तन की धुन सुनाई देती रही। ब्रज की धार्मिक यात्रा का उत्साह केवल परिक्रमा मार्ग तक सीमित नहीं रहा। यमुना के घाटों पर भी सुबह से ही स्नान करने वालों की भीड़ पहुंचने लगी। श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर यमुना मैया का पूजन किया। शाम होते ही दीपदान की तैयारियां शुरू हो गईं। वृंदावन में यमुना किनारे दीप जलाने के लिए भक्त पहुंच गए। घाटों के आसपास फूल-माला, पूजा सामग्री और दीपकों की दुकानें भी सजी रहीं। दुकानदारों ने रंग-बिरंगे फूलों और दीपों से अपनी दुकानें सजाकर रखीं। श्रद्धालु पूजन सामग्री खरीदते दिखाई दिए। देवोत्थान पर मथुरा और वृंदावन की परिक्रमा ने ब्रज की धार्मिक परंपरा और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का अनूठा नजारा प्रस्तुत किया। दिनभर गलियों, घाटों और परिक्रमा मार्गों पर भक्ति का उत्साह छाया रहा।





देवोत्थान पूजन को मिश्रित सब्जियां खरीदतीं महिलाएं।



देवोत्थान एकादशी पर वृंदावन स्थित यमुना में स्नान करते श्रद्धालु।

देवोत्थान एकादशी से बदलेगा द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन का समय

रामनवमी तक आधा घंटा पहले होंगे सांध्यकालीन दर्शन मंदिर प्रशासन ने जारी की समय-सारिणी

यूनिक समय, मथुरा। देवोत्थान एकादशी के साथ ही पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन की समय-सारिणी में परिवर्तन हो जाएगा। यह व्यवस्था रामनवमी तक लागू रहेगी। इसके तहत सांध्यकालीन दर्शन आधा घंटा पहले होंगे। मंदिर के विधि-मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार तृतीय पीठाधीश्वर कांकरोली नरेश की आज्ञा के अनुसार मंदिर के सभी धार्मिक कार्यक्रम निर्धारित होते हैं।

उन्होंने बताया कि 21 नवंबर को देवोत्थान एकादशी पर प्रातःकालीन सभी झांकियां नियमानुसार खुलेंगी। उद्यापन के दर्शन शाम 7:30 बजे होंगे। इसके बाद भोग, संध्या आरती और मंडप के दर्शन रात 8:20 बजे होंगे। शयन दर्शन के बाद रात 10 बजे जागरण की झांकी खुलेगी। रात 11:45 बजे तुलसी-शालिग्राम विवाह होगा। इसके बाद मंगला, श्रृंगार और ग्वाल के दर्शन होंगे। राजभोग के दर्शन सुबह 4:30 से 5 बजे तक होंगे।

यह रहेगी नई समय-सारिणी

देवोत्थान एकादशी के बाद सांध्यकालीन दर्शन में उत्थापन 3:30 से 3:50 बजे, भोग 4:20 से 4:40 बजे, संध्या आरती 4:55 से 5:10 बजे और शयन दर्शन शाम 6 से 7 बजे तक होंगे। पहले उत्थापन दर्शन शाम 4 बजे खुलते थे और शयन दर्शन 7:30 बजे तक होते थे। अब ठाकुरजी आधा घंटा पहले शयन करेंगे। यह बदलाव रामनवमी तक प्रभावी रहेगा।



गौरी गोपाल आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में भजन सुनाते गायक।

गौरी गोपाल आश्रम में भंडारा भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। देवोत्थान एकादशी पर गौरी गोपाल आश्रम में भंडारे और भजन संध्या का आयोजन किया गया। प्राचीन मंदिर ठाकुर श्रीकृष्ण देव के भक्तों की ओर से आयोजित फलाहारी प्रसाद सेवा में हजारों संतों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद मंदिर परिसर में हुई भजन संध्या में भक्ति की रसधारा बही। भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मनमोहन आगरा वालों ने 'मुझे मिला रंगीला यार ब्रज की गलियों में' और दीपक शर्मा ने 'काली कमली वाला मेरा यार है' भजन सुनाकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। देर तक श्रद्धालु भजनों पर नृत्य करते रहे। आयोजन में बनवारी शर्मा, महेश राया, नारायण, बीमा, राजू, एचके, राजकुमार अग्रवाल, विपिन किताब वाले, सविता अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, राममुखी और मुकेश अग्रवाल सहित अनेक भक्त मौजूद रहे।

धीरेंद्र शास्त्री को कंस दिखाने पर इंटरनेट मीडिया पर छिड़ी रार

यूनिक समय, मथुरा। कंस वध मेले में बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री को कंस के रूप में दर्शाने वाली झांकी ने शहर से लेकर इंटरनेट मीडिया तक नई बहस छेड़ दी है। कोई इसे सनातन धर्म के अपमान का जवाब बता रहा है तो कोई माफी मांगने के बाद इस तरह निशाना बनाने को गलत ठहरा रहा है। फेसबुक और अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर पक्ष-विपक्ष में टिप्पणियों का दौर चल रहा है।

दरअसल, पूर्व में धीरेंद्र शास्त्री ने एक कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। ब्रज में इसका विरोध हुआ और धार्मिक संगठनों ने नाराजगी जताई थी। बाद में धीरेंद्र शास्त्री ने माफी मांग ली थी। इसके बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन गुरुवार को कंस वध मेले की झांकी में उन्हें कंस के रूप में प्रदर्शित किए जाने से विवाद फिर ताजा हो गया। इंटरनेट मीडिया पर कुछ लोग इसे सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणी करने वालों को सबक सिखाने वाला कदम बता रहे हैं, जबकि दूसरे पक्ष का कहना है कि माफी के बाद इस तरह की प्रस्तुति उचित नहीं है। अब कंस वध मेले की झांकी धार्मिक परंपरा से आगे बढ़कर सामाजिक और वैचारिक बहस का मुद्दा बन गई है।



कंस वध मेला में दर्शाई गई झांकी।

माफी मांगने के बाद धीरेंद्र शास्त्री को कंस दिखाना गलत : पाठक

यूनिक समय, मथुरा। पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री को झांकी के माध्यम से कंस के रूप में प्रदर्शित किए जाने पर ब्रज धर्माचार्य परिषद ने कड़ी आपत्ति जताई है। परिषद के महामंत्री पं. राजेश पाठक ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्र अपने पूर्व के बयान पर माफी मांग चुके हैं और विद्वानों ने उन्हें क्षमा भी कर दिया था। ऐसे में दोबारा उन्हें निशाना बनाना अनुचित है।

ब्रज धर्माचार्य परिषद के अध्यक्ष हरि सुरेश आचार्य और महामंत्री पं. राजेश पाठक ने विज्ञप्ति में कहा कि कंस वध मेला सामाजिक और धार्मिक परंपरा का आयोजन है, इसे राजनीतिक विरोध का मंच नहीं बनाया जाना चाहिए। लोक परंपराओं और त्योहारों में राजनीति का प्रवेश समाज के लिए उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते अपने ही समाज को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। परिषद ने इस कृत्य में शामिल लोगों का राजनीतिक बहिष्कार करने की घोषणा की है।

चार महीने का इंतजार खत्म, शहनाइयों से गूंज उठी कान्हा की नगरी

सहालग के पहले दिन शहर से देहात तक करीब 600 जोड़े विवाह बंधन में बंधे

यूनिक समय, मथुरा। देवोत्थान एकादशी के साथ ही चार महीने से थमा शादी समारोहों का सिलसिला फिर शुरू हो गया। शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे परिवारों की प्रतीक्षा गुरुवार को खत्म हुई तो कान्हा की नगरी शहनाइयों और बैंड-बाजों की धुन से गूंज उठी। सहालग के पहले दिन शहर से लेकर देहात तक करीब 600 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। शाम होते ही सड़कों, बाजारों और गांवों की गलियों में बारातों की धूम दिखाई देने लगी। सुबह से ही शादी वाले घरों में तैयारियां शुरू हो गई थीं। दूल्हे सेहरा सजाकर घोड़ी पर सवार हुए तो बारातियों का उत्साह देखते ही बना। कहीं ढोल-नगाड़ों की थाप पर बराती थिरकते नजर आए तो कहीं डीजे की धुन पर युवाओं ने जमकर ठुमके लगाए। महिलाओं और युवतियों ने भी विवाह समारोहों में खूब रंग जमाया। कोई नागिन डांस करता दिखा तो कोई दोस्तों के साथ हाथ उठाकर झूमता रहा। फिल्मी और शादी के गीतों ने माहौल को उत्सवी बना दिया। कई स्थानों पर आतिशबाजी के बीच बारातों का स्वागत किया गया। चार महीने बाद शुरू हुए सहालग ने मैरिज होम और बाजारों में भी रौनक लौटा दी।

पांच साल की सजा का डर दिखाकर तीन लाख की रिश्वत मांगी

2.97 लाख वसूले, तीन हजार लेते एएसआई गिरफ्तार

बाइक रेलवे फाटक से टच होने पर बनाया दबाव

होडल के सीएनजी पंप पर एसीबी ने रंगे हाथ पकड़ा



यूनिक समय, मथुरा। हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुवार को कोसीकलां आरपीएफ थाने में तैनात एएसआई विक्रम सिंह को तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि रेलवे फाटक से बाइक टच होने के मामले में पांच साल की सजा का भय दिखाकर एएसआई ने युवक से तीन लाख रुपये मांगे थे। इसमें से 2.97 लाख रुपये वह पहले ही वसूल चुका था।

एसीबी थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, होडल के वार्ड नंबर-01 शहीद राजवीर कॉलोनी निवासी चमनलाल पुत्र हुकम सिंह 21 अक्टूबर 2026 को अपने चचेरे भाई पवन के साथ ग्राम भुलवाना से होडल जा रहा था। शाम करीब सात बजे जल्दबाजी में उसकी मोटरसाइकिल रेलवे फाटक से टच हो गई, जिससे रेलवे का सायरन बज उठा।

अगले दिन आरपीएफ थाना कोसीकलां में तैनात एएसआई विक्रम सिंह ने पवन को फोन कर कोसीकलां रेलवे स्टेशन बुलाया। 23 अक्टूबर को चमनलाल और पवन बाइक लेकर थाने पहुंचे। आरोप है कि विक्रम सिंह ने घटना को बड़ा जुर्म बताते हुए पांच साल की सजा का डर दिखाया और बाइक छोड़ने, सजा से बचाने के नाम पर पांच लाख रुपये मांगे। बाद में सौदा तीन लाख रुपये में तय हुआ। चमनलाल ने उसी दिन दो लाख 97 हजार रुपये दे दिए। शेष तीन हजार रुपये के लिए एएसआई लगातार दबाव बना रहा था। गुरुवार को चमनलाल ने उसे होडल स्थित सीएनजी पंप पर नाले के पास रुपये लेने बुलाया। जैसे ही उसने तीन हजार रुपये दिए, पहले से जाल बिछाए बैठी एसीबी टीम ने विक्रम सिंह को पकड़ लिया और अपने साथ ले गई।

पीड़ित ने एकत्र कर लिए थे सभी साक्ष्य

मामले को रफा-दफा करने के लिए तीन लाख रुपये की रकम तय होने के बाद चमनलाल ने दो लाख 70 हजार रुपये की एक किस्त तुरंत ही दे दी। इसके कुछ देर बाद ही उसने 27 हजार रुपये और विक्रम सिंह को दिए, जिसकी उसने मोबाइल फोन से वीडियो बना ली थी। शेष बकाया तीन हजार रुपये मांगे जाने की रिकार्डिंग भी कर ली थी। सभी साक्ष्यों को उसने समय आने पर पेश करने की बात दर्ज कराई रिपोर्ट में कही है।

फरीदाबाद के एसीबी थाने में दर्ज हुई रिपोर्ट

एसीबी हरियाणा द्वारा तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते आरपीएफ के एएसआई विक्रम सिंह के खिलाफ फरीदाबाद के एसीबी थाने में क्राइम संख्या 29/2026 पर रिपोर्ट दर्ज ली। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आगरा ने विक्रम सिंह को तत्काल प्रभाव ने निलंबित कर दिया है।



वीडियो वायरल होने पर ही टूटती हैं पुलिस की नींद

थाने पहुंचने वाले फरियादियों की शिकायतों पर नहीं होती सुनवाई रिपोर्ट दर्ज कराने को काटने पड़ते हैं चक्कर

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस थानों में शिकायत लेकर पहुंचने वाले फरियादियों को अपनी रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कई-कई दिन तक चक्कर लगाने पड़ते हैं। चोरी, मारपीट और अन्य आपराधिक घटनाओं में पीड़ितों की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई के बजाय पुलिस जांच के नाम पर मामला टालती रहती है। वहीं, इंटरनेट मीडिया पर किसी घटना का वीडियो वायरल होते ही पुलिस सक्रिय हो जाती है। इस दोहरे रवैये को लेकर फरियादियों में नाराजगी है।

अक्सर थानों में शिकायत लेकर पहुंचने वाले लोगों से पहले प्रार्थना पत्र ले लिया जाता है और जांच किसी दरोगा को सौंप दी जाती है। इसके बाद पीड़ित संबंधित दरोगा के चक्कर लगाता रहता है, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हो पाती। कई मामलों में उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप या किसी प्रभावशाली व्यक्ति के फोन के बाद ही कार्रवाई आगे बढ़ती है। इसके विपरीत इंटरनेट मीडिया पर घटना का वीडियो सामने आते ही पुलिस तत्काल संज्ञान लेती है। इसकी वजह वायरल वीडियो के बाद उच्चाधिकारियों द्वारा थाना पुलिस से जवाब तलब करना भी माना जा रहा है।

हाल ही में थाना राया क्षेत्र में ट्रेला चोरी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाने के कई चक्कर लगाए, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित ने अपने स्तर से ट्रेला चोरी के सीसीटीवी फुटेज भी जुटा लिए थे। इसके बावजूद रिपोर्ट दर्ज न होने पर उसने एसपी ग्रामीण से शिकायत की। पीड़ित ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने के साथ ट्रेला बरामद कराने की गुहार लगाई।

शिकायत मिलने पर एसपी ग्रामीण ने तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही अब तक की कार्रवाई और आगे की प्रगति की जानकारी भी मांगी। ऐसे में सवाल उठता है कि जब उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप पर पुलिस तत्काल सक्रिय हो सकती है तो थाने पहुंचकर अपनी पीड़ा बताने वाले आम फरियादियों की शिकायतों पर समय से कार्रवाई क्यों नहीं होती। क्या आम आदमी को न्याय पाने के लिए अपनी शिकायत इंटरनेट मीडिया पर वायरल कराने या अधिकारियों के दरवाजे खटखटाने की मजबूरी बनी रहेगी।

परिजन से नाराज महिला यमुना में कूदी



यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार थाना क्षेत्र में शुक्रवार की दोपहर यमुना पुल से महिला ने छलांग लगा दी। यमुना किनारे बैठे गोताखोरों ने महिला को सुरक्षित निकाल लिया। यमुना से निकाल लिए जाने के बाद भी महिला जान देने की जिद कर रही थी।

जानकारी के अनुसार, दोहपर में एक महिला अचानक यमुना पुल की रेलिंग पर चढ़ गई। इसे देख वहां से गुजर रहे राहगीर जब तक कुछ समझपाते महिला ने यमुना में झलांग लगा दी। महिला को यमुना में कूदते देख लोगों ने शोर मचाया। यमुना पुल पर लोगों की भीड़ जुट गई। जिसकी वजह से यमुनापुल पर यातायात थम गया। इसी बीच यमुना किनारे मौजूद नाविक और गोताखोरों को इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने महिला को बचाने के लिए यमुना में छलांग लगाई। कुछ ही देर में गोताखोरों ने महिला को

गोताखोरों ने बचाई महिला की जान

बचाने के बाद भी कर रही थी जान देने की जिद

सुरक्षित यमुना से निकाल लिया। सूचना मिलने के बाद यमुनापार थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। यमुना से बाहर निकाल लिए जाने के बाद भी महिला मरने की बात करती रही।

पुलिस ने बताया, महिला चार बच्चों की मां है। पारिवारिक कलह से परेशान होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। पुलिस ने महिला के परिजनों को सूचना देकर बुला लिया। थाने पर परिजनों की मौजूदगी में उसकी काउंसलिंग की गई। इसके बाद उसे परिजनों के साथ घर भेज दिया।

हथियारों की तस्करी में इस्तेमाल बोलेरो समेत तस्कर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस, 5640 रुपये की नकदी और तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली बोलेरो गाड़ी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, सूचना पर मालगोदाम रोड स्थित रेलवे लाइन के रास्ते पर छापेमारी कर देवेंद्र निवासी अमर कॉलोनी, चौहान हॉस्पिटल के समीप को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके पास से देशी तमंचा, कारतूस और नकदी मिली। पुलिस का कहना है कि आरोपी बोलेरो गाड़ी का इस्तेमाल अवैध हथियारों की तस्करी के लिए करता था।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर छोटा हाथी पलटा, बड़ा हादसा टला

पीछे से यात्री बस टकराई



यूनिक समय, सुरीर। नौहझील थाना क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार देर रात माइलस्टोन 60 के समीप सड़क हादसा हो गया। नोएडा से आगरा की ओर जा रहा छोटा हाथी वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। इसी दौरान पीछे से आ रही यात्री बस उससे टकरा गई। गनीमत रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, दुर्घटना रात करीब 12:20 बजे हुई। छोटे हाथी वाहन में चालक कन्हैया और प्रवीण सवार थे। अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। इसी बीच चंडीगढ़ से गोरखपुर जा रही लक्ष्मी हॉलीडे की यात्री बस पीछे से छोटे हाथी वाहन से टकरा गई। हादसे की सूचना मिलते ही यमुना एक्सप्रेसवे की हाईवे टीम और बाजना कट पुलिस चौकी प्रभारी पवन कुमार चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को सड़क से हटवाकर यार्ड में खड़ा कराया। राहत की बात रही कि छोटे हाथी वाहन में सवार दोनों लोगों और बस यात्रियों में से किसी को चोट नहीं आई। वाहनों को हटवाने के बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात सुचारू करा दिया गया। मौके पर कानून व्यवस्था से जुड़ी कोई समस्या नहीं रही।



फरह अंडरपास बना तालाब राहगीरों की बढ़ी मुसीबत


शुक्रवार को फरह कस्बा के अंडरपास के नीचे भरा गंदा पानी।

यूनिक समय, फरह। अंत्योदय के उपासक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली दीनदयाल धाम और चार दर्जन गांवों को जोड़ने वाले फरह कस्बे के अंडरपास पर शुक्रवार को विकास की तस्वीर नजर आई। बिना बारिश के ही अंडरपास के नीचे एक से डेढ़ फीट तक गंदा पानी भर गया। वाहनों की आवाजाही से पानी उछलकर सर्विस रोड पर फैलता रहा। हालात यह रहे कि चौराहे से पंजाब नेशनल बैंक तक सड़क पर कीचड़ जैसा दृश्य बन गया। राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

कस्बे के मुख्य चौराहे से होकर लोग दीनदयाल धाम के अलावा भरतपुर, अछनेरा, आगरा और मथुरा समेत चार दर्जन गांवों के लिए आवागमन करते हैं।

नाले का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सर्विस रोड पर भरा, राहगीर परेशान

नगर पंचायत और हाईवे टोल प्रबंधन एक-दूसरे पर डाल रहे जिम्मेदारी

इसके बावजूद अंडरपास और सर्विस रोड की जलभराव की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। हाईवे की सर्विस रोड के किनारे बने नाले में घरों से निकलने वाला गंदा पानी डाले जाने और सफाई नहीं होने से नाला कचरे से पूरी तरह भर चुका है। नतीजतन पानी की निकासी बाधित हो गई है।

स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, कई दिनों से नाले का पानी कम मात्रा में सर्विस रोड पर जमा हो रहा था, जो रात में सूख जाता था।

शुक्रवार को नाला ओवरफ्लो होने से गंदा पानी सड़क पर भर गया। करीब एक से डेढ़ फीट तक पानी वाहनों के गुजरने से उछलता रहा। इसका असर मुख्य चौराहे तक दिखाई दिया और राहगीरों के साथ दुकानदारों को भी परेशानी उठानी पड़ी।

हैरानी की बात यह है कि नगर पंचायत के प्रभारी अधिशासी अधिकारी समस्या की जानकारी से ही इन्कार करते रहे, जबकि हाईवे टोल के अधिकारी जलभराव के लिए नगर पंचायत को जिम्मेदार ठहराते रहे। दोनों विभागों के बीच जिम्मेदारी का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ा जा रहा है, लेकिन जलभराव से जूझ रहे लोगों को राहत देने की पहल होती नजर नहीं आ रही।

जिम्मेदारों की बात

चौराहे पर जलभराव की जानकारी नहीं है, हम तो गुरुवार को भी नगर पंचायत गए थे। ऐसा है तो जानकारी करके समस्या का निदान कराएंगे।

राघवेंद्र शर्मा, एसडीएम-प्रभारी अधिशासी अधिकारी।

फरह चौराहे पर समस्या नगर पंचायत की देन है। हाइवे की ओर से वर्षा के पानी को निकालने को नाला बनाया था, जिसमें नगर पंचायत जबरन गंदा पानी चलवा रही है।

ओकिल शर्मा, मैनेजर टोल प्लाजा ।

जंक्शन से चोरी हुए दो मासूमों का तीन साल बाद भी नहीं लगा सुराग

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन से चोरी हुए दो मासूम बच्चों का आज तक कोई सुराग नहीं लग सका है। दोनों घटनाओं में जीआरपी थाने में मुकदमे दर्ज हैं, लेकिन लंबा समय बीतने के बाद भी पुलिस बच्चों को बरामद नहीं कर पाई है। बच्चों के परिजन आज भी उनकी तलाश में जीआरपी थाने के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

जानकारी के अनुसार, सात जनवरी 2023 की रात मथुरा जंक्शन के मुख्य प्रवेश द्वार के पास बने फुट ओवरब्रिज (एफओबी) के समीप से ढाई वर्षीय बच्ची गौरा चोरी हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन बच्ची का कोई पता नहीं चला। इसके बाद जीआरपी थाने में बच्ची की गुमशुदगी और चोरी के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। वहीं, 14 अक्टूबर 2024 को बच्चा चोरी की दूसरी घटना सामने आई। जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या नौ से आठ माह का मासूम शिवा उर्फ लोकेन्द्र उर्फ लोकेश चोरी हो गया था। इस मामले में भी परिजनों की शिकायत पर जीआरपी ने मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद से ही परिजन अपने बच्चे की तलाश में लगातार पुलिस अधिकारियों और थाने के चक्कर लगा रहे हैं।

दोनों घटनाओं को लंबा समय बीत चुका है, लेकिन अब तक न तो बच्ची गौरा का पता चला है और न ही मासूम शिवा का। बच्चों के परिजनों को आज भी उनके सकुशल मिलने की उम्मीद है। वहीं, रेलवे स्टेशन की सुरक्षा और बच्चों की बरामदगी को लेकर जीआरपी की कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं।


शिवा

गौरा

विवेचक बदले, लेकिन नहीं बरामद हुए बच्चे

गौरा और शिवा के चोरी हो जाने के बाद जीआरपी थाने में मुकदमे दर्ज हुए, लेकिन कोई भी बच्चा बरामद नहीं हुआ। तब से अब तक दोनों की मुकदमो के कई विवेचक बदल चुके हैं। हाल ही में शिवा को तलाश करने की जिम्मेदारी जीआरपी थाने के उप निरीक्षक टीटू कुमार को सौंपी गई है। उन्होंने नये सिरे से शिवा की तलाश के लिए पम्पलेट छपवा कर जन सहयोग की अपील की गई है। पम्पलेटों को सार्वजनिक स्थानों पर चिपकाने के साथ साथ आस-पास के थानों पर भी भेजा है।

नाबालिग किशोरी को भगाकर ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

फरह टोल के पास से पकड़ा, किशोरी बरामद

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर अपहृत किशोरी को बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, हंसराज नगर कॉलोनी से 15 नवंबर को नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में विकास निवासी गांव रामपुर थाना एका, जिला फिरोजाबाद वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसे फरह टोल से महुवन के समीप गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से किशोरी को सकुशल बरामद किया गया।

बाइक चोरी करने वाला गिरफ्तार, गांजा बरामद

यूनिक समय, मथुरा। सदर बाजार पुलिस ने जेल परिसर से चोरी हुई बाइक बरामद कर एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 624 ग्राम गांजा भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी पर चोरी समेत करीब दो दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, जेल परिसर में खड़ी एक बाइक चोरी हो गई थी। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ सदर बाजार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की पहचान अजय निवासी धर्मलोक नगर, मोहली रोड थाना कोतवाली के रूप में की। पुलिस ने चेकिंग के दौरान माधोपुर तिराहे के समीप उसे चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में 624 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

जंक्शन पर 655 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित

यूनिक समय, मथुरा। रेलवे में ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए आगरा मंडल लगातार सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ा रहा है। मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और परिसरों में कुल 1,830.76 किलोवाट क्षमता के सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से रेलवे को बिजली की खपत में कमी के साथ लाखों रुपये की बचत हो रही है।

मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल के तहत आगरा क्षेत्र में करीब 1,155 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट लगाए गए हैं। इनमें आगरा कैंट स्टेशन के विभिन्न प्लेटफॉर्म, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रेलवे अस्पताल, रनिंग रूम, सिक लाइन, ईदगाह स्टेशन और आगरा फोर्ट स्टेशन शामिल हैं।

वहीं, मथुरा क्षेत्र में लगभग 655 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट स्थापित किए गए हैं। मथुरा जंक्शन के विभिन्न प्लेटफॉर्म, द्वितीय प्रवेश द्वार, मेला यार्ड शेड, बुकिंग कार्यालय, आरओएच शेड बाद, बिलौचपुरा, फरह, परखम, भैंसा रेलवे स्टेशन और डीग सहित कई स्थानों पर सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है।

रेलवे के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में सोलर प्लांट से 15.23 लाख यूनिट बिजली की बचत हुई, जिससे करीब 80.41 लाख रुपये की राजस्व बचत हुई।

वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अगस्त तक 8.34 लाख यूनिट बिजली बचाकर लगभग 39.18 लाख रुपये की बचत की गई। रेलवे की यह पहल हरित ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।


पल्स पोलियो रैली का शुभारंभ करते सीएमओ डॉ.राधाबल्लभ और डॉ.रोहिताश सिंह।

पांच साल तक के बच्चों को पिलाएं 'दो बूंद जिंदगी की'

22 नवंबर से पल्स पोलियो अभियान 4.98 लाख बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य

यूनिक समय, मथुरा। जिले में 22 नवंबर से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियां तेज हो गई हैं। अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से सिविल लाइंस क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई। सीएमओ डॉ. राधावल्लभ ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। रैली के माध्यम से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की गई।

सीएमओ ने बताया कि अभियान के पहले दिन जिले के 1317 बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इसके बाद 23 से 27 नवंबर तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर बच्चों को खुराक देंगी। छूटे हुए बच्चों के लिए 30 नवंबर को बी-टीम गतिविधि आयोजित की जाएगी।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहितास सिंह ने बताया कि जिले में 4,98,815 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य है। इसके लिए 928 टीमें गठित की गई हैं। इस दौरान डिप्टी सीएमओ डॉ. अनुज चौधरी, डॉ. वीडी गौतम, डॉ. रोहितास मीना, डीएचईआईओ जितेंद्र कुमार, डीएमओ चंद्रप्रकाश मिश्रा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजय सिहोरिया, डीसीपीएम पारुल शर्मा, सुमित कुमार, स्वीटी शुक्ला, फौजिया खानम, राजकुमारी, राजेश कुमार, अनुराग शुक्ला, त्रिभुवन शर्मा और हरि सिंह सहित एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएमटीसी की छात्राएं मौजूद रहीं।

लहंगों की चमक पड़ी फीकी, अनारकली और गाउन की बाजार में धूम



सहालग ने बदला युवतियों का फैशन शोरूम-बुटीक में नए डिजाइनों की डिमांड

यूनिक समय, मथुरा। सहालग शुरू होते ही शहर के कपड़ा बाजारों में शादी के परिधानों की खरीदारी जोर पकड़ने लगी है। इस बार फैशन की दौड़ में भारी-भरकम लहंगे पिछड़ते नजर आ रहे हैं। उनकी जगह स्लिट-कट, फ्लोर-लेंथ गाउन और डिजाइनर अनारकली ने ले ली है। दुल्हन की सहेलियों से लेकर शादी समारोहों में शामिल होने वाली युवतियों तक इन परिधानों का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। बाजार में नए डिजाइन और रंगों की खूब पूछपरख हो रही है।

होली गेट, चौक बाजार, कृष्णानगर और विकास बाजार सहित शहर के प्रमुख कपड़ा शोरूम और बुटीक में इन दिनों युवतियां पसंदीदा ड्रेस तलाश रही हैं। दुकानदारों के यहां नए कलेक्शन देखने और पसंद के परिधान खरीदने का सिलसिला तेज हो गया है। कपड़ा व्यापारी बांके बिहारी अग्रवाल बताते हैं कि इस बार ऐसी ड्रेस की मांग अधिक है, जिन्हें पहनकर शादी की रस्मों से लेकर डांस तक आसानी से किया जा सके। दुपट्टा संभालने की झंझट से मुक्ति के साथ स्टाइलिश लुक इनकी खासियत है। बारीक कढ़ाई, जरी और सीक्वेंस वर्क वाले गाउन खूब पसंद किए जा रहे हैं।

बुटीक संचालक शिवांसी के मुताबिक, पेस्टल रंगों के अलावा वाइन, एमराल्ड ग्रीन, मस्टर्ड येलो और मैरून रंग की ड्रेस की मांग बढ़ी है। युवतियां अपनी पसंद और समारोह के हिसाब से डिजाइन चुन रही हैं। सहालग की बढ़ती मांग को देखते हुए दुकानदारों ने भी नए कलेक्शन और वैरायटी का स्टॉक बढ़ाया है। बाजार में इस बार लहंगों से ज्यादा गाउन और अनारकली की पूछ दिखाई दे रही है।

जीएलए में रक्तदान शिविर,100 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित

विद्यार्थियों ने उत्साह से किया रक्तदान, सड़क सुरक्षा पखवाड़े में भी निभा रहे सक्रिय भूमिका



जीएलए विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान करते जीएलए के सीएफओ डा. विवेक अग्रवाल। साथ हैं रोटरी क्लब के पदाधिकारीगण।

यूनिक समय, मथुरा। जरूरतमंदों को जीवनदान देने और युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से जीएलए विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद अनंत और महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में लगे शिविर में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 100 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए विश्वविद्यालय के मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. विवेक अग्रवाल ने प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का अवसर है। स्वस्थ व्यक्ति को नियमित अंतराल पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। युवाओं की भागीदारी समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में भी मददगार है।

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद अनंत के अध्यक्ष अंजुल गुप्ता ने कहा कि रक्तदान से बड़ा मानवीय योगदान कोई नहीं है।

क्लब जरूरतमंदों की सेवा के उद्देश्य से काम कर रहा है। युवाओं की भागीदारी उत्साहजनक है और भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रहेंगे।

इस अवसर पर क्लब के ब्लड डोनेशन चेयर अंशुल गर्ग, कोषाध्यक्ष पराग अग्रवाल, सदस्य आशीष गर्ग, जिला चिकित्सालय से डॉ. गीता सिंह, अंजू शर्मा, कृष्णकांत, नेहा और सुशील कुमार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार, फार्मेसी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर अशिमा आहूजा, दीपक कौशिक, रोटरी ब्लड बैंक दिल्ली के डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. आनंद पिल्लई, मिनी विजु, गिर्राज सिंह, वीना और इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की टीम ने सहयोग किया।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े में भी सक्रिय जीएलए

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए 30 नवंबर तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद के निर्देशों के अनुपालन में जीएलए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।स्वयंसेवक हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल न करने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. हिमांशु शर्मा ने बताया कि स्टूडेंट वेलफेयर विभाग के निर्देशन में एनएसएस स्वयंसेवक सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत जागरूकता अभियान चला रहे हैं। स्वास्थ्य शिविर, नेत्र परीक्षण शिविर और अन्य जनहितकारी गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं।

सब्जी मंडियों में लगेंगी वेंडिंग मशीनें,10 रुपये में मिलेगा थैला



वेंडिंग मशीनों से थैले उपलब्ध कराने की योजना पर अधिकारियों के साथ चर्चा करते उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र।

प्लास्टिक की थैलियों पर रोक लगाने की पहल, विद्यार्थियों के जरिए घर-घर पहुंचेगा स्वच्छता का संदेश

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए अब बाजारों में प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने की तैयारी है। मथुरा-वृंदावन की सब्जी मंडियों और प्रमुख बाजारों में वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी। इनमें 10 रुपये का सिक्का डालते ही मजबूत थैला मिलेगा। इससे खरीदारी करने वालों को प्लास्टिक के विकल्प के रूप में आसानी से थैला उपलब्ध हो सकेगा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर निगम और हार्टफुलनेस के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे ब्रज स्वच्छता-जनजागरूकता अभियान के दूसरे चरण को लेकर शुक्रवार को परिषद सभागार में कोर ग्रुप की बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि स्वच्छता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी जोड़ा जाएगा। विद्यार्थी स्वच्छता का संदेश घर-घर पहुंचाएंगे। पंपलेट पढ़ने के बाद बच्चे उन्हें इधर-उधर न फेंकें, इसके लिए वापस जमा कराने की व्यवस्था भी की जाएगी। व्यापारी विपिन सिंघल ने वेंडिंग मशीन की कार्यप्रणाली समझाते हुए बताया कि इसमें 10 रुपये का सिक्का डालने पर एक मजबूत थैला मिलेगा।

सब्जी मंडियों और प्रमुख बाजारों में मशीनें लगने से लोगों को खरीदारी के दौरान थैले के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

बैठक में नगर निगम के उपनेता मुकेश सारस्वत, दीपक गोयल, अंकित बंसल, राहुल अग्रवाल, जगन्नाथ पोद्दार, मुकेश शर्मा, परिषद के अपर सीईओ राजीव पांडेय, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सहित कोर ग्रुप के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बाजार जाते समय थैला रखना न भूलें

प्लास्टिक मुक्त ब्रज बनाने की जिम्मेदारी सिर्फ प्रशासन या नगर निगम की नहीं, बल्कि हर नागरिक की है। बाजार में सब्जी, फल या किराने का सामान खरीदने जाते समय घर से कपड़े या जूट का थैला लेकर निकलें। छोटी-छोटी खरीदारी के लिए प्लास्टिक की थैलियां लेने से बचें। दुकानदार भी ग्राहकों को कपड़े के थैले इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करें। इस्तेमाल के बाद प्लास्टिक को सड़क, नालियों और खुले स्थानों पर न फेंकें। स्वच्छ ब्रज की शुरुआत अपनी आदत बदलने से होगी।

दुवासू में पशु चिकित्सा रोग विज्ञान कांग्रेस का समापन



पशु चिकित्सा रोग विज्ञान कांग्रेस में अतिथि को सम्मानित करते कुलपति डॉ. अभिजित मित्र आदि।

चार दिवसीय सम्मेलन में 300 वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग, उत्कृष्ट शोधकर्ताओं को मिले पुरस्कार

यूनिक समय, मथुरा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान (दुवासू) में आयोजित चार दिवसीय पशु चिकित्सा रोग विज्ञान कांग्रेस-2026 का समापन हुआ। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन में देश-विदेश के करीब 300 वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सा विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया।

मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रो. के. मिश्रा ने कहा कि पशुओं में रोगों की समय पर पहचान, सटीक निदान और प्रभावी नियंत्रण के लिए उन्नत तकनीकों का विकास जरूरी है। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों को गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और नवाचार के लिए प्रेरित किया।

कांग्रेस के दौरान नौ वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। इनमें मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से पशु रोगों के निदान, रोगजनन, उन्नत नैदानिक तकनीकों और पशु स्वास्थ्य संरक्षण पर शोध निष्कर्ष साझा किए गए। समापन समारोह में इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट की ओर से चार युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर पर चार सर्वश्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार, तीन उपलब्धि पुरस्कार और दो विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। कुलपति डॉ. अभिजित मित्र ने कहा कि ऐसे सम्मेलन पशु चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार गतिविधियों को नई दिशा देते हैं। वरिष्ठ वैज्ञानिकों और युवा शोधकर्ताओं के बीच ज्ञान एवं तकनीकों के आदान-प्रदान का यह प्रभावी मंच है। आयोजन सचिव डॉ. देश दीपक सिंह ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार जताया।

ब्रेक फेल होने से बरेली हाईवे पर भिड़े तीन ट्रेलर, टला बड़ा हादसा

भारी सामान तिरछा होने से दोनों ओर लगा जाम, क्रेन से हटवाया गया सामान



क्रेन से सामान उठवाकर ट्रेलर में लोड कराती पुलिस।

यूनिक समय, राया। थाना राया क्षेत्र में बरेली हाईवे पर शुक्रवार को पीछे चल रहे ट्रेलर के ब्रेक फेल होने से तीन ट्रेलर आपस में टकरा गए। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और तीनों वाहनों के चालक -परिचालक सुरक्षित रहे। हालांकि, ट्रेलरों पर लदा भारी सामान तिरछा होने से हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

जानकारी के अनुसार, तीनों ट्रेलर सिकंदराबाद से मध्य प्रदेश के सिंगरौली स्थित पावर प्लांट के लिए पुल निर्माण का भारी सामान लेकर जा रहे थे। चालक मनदीप सिंह ने बताया कि चाय पीने के लिए तीनों ट्रेलर हाईवे किनारे पार्किंग में खड़े किए जा रहे थे। इसी दौरान पुल से नीचे उतरते समय पीछे चल रहे तीसरे ट्रेलर के अचानक ब्रेक फेल हो गए। अनियंत्रित ट्रेलर आगे खड़े दोनों ट्रेलरों से टकरा गया। टक्कर के कारण वाहनों पर लदा भारी सामान तिरछा हो गया और यातायात बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रेलरों पर लदे सामान को सीधा कराया और दोबारा लोड करवाया। इसके बाद तीनों ट्रेलरों को गंतव्य सिंगरौली के लिए रवाना किया गया।

भोजन और सांस की नली जुड़ी होने से जिंदगी पर था खतरा

केडी हॉस्पिटल में जटिल ऑपरेशन कर बचाई जान

दूध पीते ही नीला पड़ जाता था नवजात का शरीर



मां की गोद में स्वस्थ नवजात शिवांश और शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा।

यूनिक समय, मथुरा। जन्म के साथ ही जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे नन्हे शिवांश के लिए केडी हॉस्पिटल के चिकित्सक फरिश्ता बनकर सामने आए। जन्मजात विकृति के चलते उसकी भोजन नली और श्वास नली आपस में जुड़ी हुई थीं। दूध पिलाते ही उसका शरीर नीला पड़ने लगता था। चिकित्सकों ने चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन कर दोनों नलियों को अलग किया और नवजात को नया जीवन दिया। उपचार के बाद अब शिवांश पूरी तरह स्वस्थ है।

मथुरा के नरहोली निवासी महेश चौधरी के परिवार में इसी छह अक्टूबर को बेटे शिवांश का जन्म हुआ। प्रसव के बाद शुरुआती खुशियां उस समय चिंता में बदल गईं, जब बच्चे को दूध पिलाने पर उसका शरीर नीला पड़ने लगा। मुंह से लार आने और खांसी की शिकायत भी होने लगी। परिजन तत्काल उसे चिकित्सकों के पास ले गए। शिशु रोग विशेषज्ञ ने शिशु शल्य विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी शर्मा से परामर्श किया।

जांच में पता चला कि बच्चे की भोजन नली और श्वास नली आपस में जुड़ी हुई हैं। चिकित्सा विज्ञान में इस स्थिति को ट्रेकियो-इसोफेजियल फिस्टुला कहते हैं। इसमें भोजन या दूध श्वास नली में जाने का खतरा रहता है।

बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। सात अक्टूबर को डॉ. श्याम बिहारी शर्मा ने जटिल सर्जरी कर भोजन नली को श्वास नली से अलग किया और भोजन नली के दोनों सिरों को जोड़कर सामान्य मार्ग बनाया।

ऑपरेशन में डॉ. ऋतुराज और निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. श्रेया ने सहयोग किया। इसके बाद नवजात को विशेष निगरानी के लिए नियोनेटल यूनिट में रखा गया, जहां डॉ. संध्या लता की देखरेख में उपचार चला। ऑपरेशन के दस दिन बाद शिवांश को मां का दूध पिलाना शुरू कर दिया गया। वर्तमान में उसका वजन करीब चार किलोग्राम है और वह स्वस्थ है।

संस्थान के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने चिकित्सकों की टीम को बधाई देते हुए कहा कि चिकित्सा सेवा उनके लिए व्यवसाय नहीं, बल्कि मानवता की सेवा और जीवन बचाने का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से क्षेत्र के मरीजों को गंभीर बीमारियों का उपचार स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना संस्थान की प्राथमिकता है।

घंटाघर का छह माह से अधर में लटका निर्माण कार्य फिर शुरू

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के मुख्य चौराहे पर बन रहे घंटाघर का निर्माण कार्य छह माह के लंबे अंतराल के बाद शुक्रवार को फिर से शुरू हो गया। निर्माण कार्य शुरू होने की खबर मिलते ही नगरवासियों में खुशी का माहौल है।

बता दें कि करीब छह माह पहले घंटाघर के पिलर खड़े किए गए थे, लेकिन किन्हीं अपरिहार्य कारणों के चलते अचानक निर्माण कार्य रोक दिया गया था। तब से लेकर अब तक निर्माण स्थल पर सन्नाटा पसरा हुआ था और पिलर वैसे ही खड़े हुए थे। काम बंद होने से नगरवासियों में तरह-तरह की चर्चाएं भी हो रही थीं।


घंटाघर पर निर्माण काम की तैयारी करता श्रमिक।

शुक्रवार सुबह जब निर्माण स्थल पर ठेकेदार के मजदूर और सामग्री पहुंची तो लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोगों ने कहा कि घंटाघर के बनने से नगर की पहचान बनेगी। इस संबंध में निर्माण करा रहे ठेकेदार ने बताया कि कुछ तकनीकी और अन्य कारणों से काम को बीच में रोकना पड़ा था। अब सभी समस्याओं का समाधान कर लिया गया है। अब निर्माण कार्य में पूरी तेजी लाई जाएगी। ठेकेदार ने दावा किया है कि अब काम बिना रुके चलेगा और अगले छह माह के अंदर घंटाघर का निर्माण कार्य पूरा कर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

कोसी-शेरगढ़ पुल पर दो घंटे तक जाम से जूझते रहे लोग, सिस्टम की लापरवाही उजागर

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां-शेरगढ़ मार्ग स्थित पुल पर शुक्रवार को सिस्टम की लापरवाही एक बार फिर उजागर हो गई। दोपहर के समय पुल पर भीषण जाम लग गया, जिसमें हजारों वाहन चालक करीब दो घंटे तक फंसे रहे। जाम के कारण दोनों ओर लगभग दो किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और पूरा यातायात ठप हो गया।

बताया जा रहा है कि पुल संकरा होने के साथ-साथ यहां कोई भी यातायात कर्मी तैनात नहीं रहता। ओवरलोड वाहन और बेतरतीब तरीके से चल रहे ऑटो, ई-रिक्शा, ट्रैक्टर-ट्रॉली जाम का मुख्य कारण बनते हैं। शुक्रवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ और देखते ही देखते पूरा पुल जाम की चपेट में आ गया। इस भीषण जाम में स्कूली बसें, एंबुलेंस और सैकड़ों राहगीर फंसे रहे। छोटे-छोटे बच्चे बसों में भूख-प्यास से बिलखते रहे, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था।

लोगों ने अपने निजी प्रयासों से जाम खुलवाने की कोशिश की, लेकिन प्रशासन की गैरमौजूदगी में हालात और बिगड़ते चले गए। आश्चर्य की बात यह है कि दो घंटे तक जाम लगा रहने के बाद भी मौके पर पुलिस का कोई भी अधिकारी-कर्मचारी नहीं पहुंचा। प्रशासन की इस बेपरवाही से लोगों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने डीएम से मांग की है कि इस पुल को जाम मुक्त कराने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और स्थाई रूप से पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाए।

देवउठनी एकादशी पर जागे भगवान विष्णु, शुरू हुआ शादी का सीजन

यूनिक समय, कोसीकलां। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी पर शुक्रवार को चार महीने की योगनिद्रा के बाद भगवान विष्णु जाग गए और इसके साथ ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो गई। इसी के साथ नगर में शादियों का बिगुल बज उठा।

शुक्रवार सुबह से ही नगर के हर घर में महिलाओं ने तुलसी के पौधे के पास रंगोली सजाकर भगवान शालिग्राम के साथ तुलसी माता का विवाह रचाया। गन्ने का मंडप, तुलसी के पौधे पर चुनरी और भगवान को नए वस्त्र पहनाकर विधि-विधान से पूजा की गई। महिलाओं ने रात तक तुलसी माता के मंगल गीत गाए। मान्यता है कि इस दिन तुलसी विवाह कराने से कन्यादान के बराबर पुण्य मिलता है। देवउठनी एकादशी पर ही पहला बड़ा सहालग होने से नगर में शादी समारोहों की बाढ़ आ गई। नगर के सभी बड़े मैरिज होम, छोटे-बड़े गेस्ट हाउस पिछले एक महीने से ही बुक थे

सभी मैरिज होम फुल सड़कों पर गूंजा आज मेरे यार की शादी है

और आज सभी फुल हो गए। बाजार में दूल्हे के सेहरा, घोड़ी, बैंड-बाजे वालों की डिमांड कई गुना बढ़ गई। टेंट व्यवसायी, हलवाई, लाइट और डीजे वालों को भी सांस लेने की फुर्सत नहीं मिली। शाम होते ही नगर की सड़कों पर एक साथ दर्जनों बारातें निकलने से मुख्य बाजार, बस स्टैंड और हाईवे पर जाम लग गया। हर गली में डीजे पर एक ही गाना गूंज रहा था कि आज मेरे यार की शादी है...।

नाचते-गाते बाराती और घोड़ी पर बैठे दूल्हे नगर की रौनक बढ़ा रहे थे। छिद्दा पंडित ने बताया कि देवउठनी एकादशी से लेकर अगले तीन महीने तक लगातार शादी के शुभ मुहूर्त हैं, जिससे बाजार में खूब रौनक रहेगी।

सीएम योगी की मां के निधन पर भाजपा नेताओं ने जताया शोक

यूनिक समय, कोसीकलां/ नौहझील। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी के 91 वर्ष की आयु में निधन पर भाजपा ओबीसी मोर्चा ब्रज क्षेत्र उपाध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पौनिया ने शोक व्यक्त किया है। डॉ. अमर सिंह पौनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का निधन अत्यंत दुखद और अपूरणीय क्षति है। ऐसी महान माता को नमन है, जिन्होंने योगी आदित्यनाथ जैसे यशस्वी, कर्मयोगी और राष्ट्रवादी सपूत को जन्म दिया, जिन्होंने उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश में सुशासन और विकास की नई परिभाषा लिखी है। उन्होंने कहा कि ईश्वर मुख्यमंत्री सहित पूरे परिवार को इस दुख की घड़ी में सांत्वना प्रदान करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी के निधन पर भाजपा युवा नेता-सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण गोपाल वैष्णव ने शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मुख्यमंत्री और उनके शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कृष्ण गोपाल वैष्णव ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मां जीवन की सबसे अनमोल धरोहर होती हैं।

उनका स्नेह, आशीर्वाद और ममता संतान की सबसे बड़ी ताकत होती है। मां का दुनिया से चले जाना ऐसा दुख है, जिसकी भरपाई कभी संभव नहीं है।

हेलमेट नहीं लगाने पर 158, सीट बेल्ट पर 72 वाहनों के चालान

यूनिक समय, मथुरा। सड़क सुरक्षा पखवाड़े के पांचवें दिन शुक्रवार को परिवहन विभाग ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रवर्तन अभियान चलाया। वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश राजपूत के नेतृत्व में एआरटीओ प्रवर्तन सतेंद्र कुमार सिंह ने विभिन्न प्रमुख मार्गों पर चेकिंग की।

अभियान में हेलमेट नहीं लगाने वाले 158 दोपहिया वाहनों और सीट बेल्ट का प्रयोग नहीं करने वाले 72 चारपहिया वाहनों के चालान किए गए। स्टंट ड्राइविंग और निर्धारित गति से तेज वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। एआरटीओ ने

सड़क सुरक्षा पखवाड़े में परिवहन विभाग का चेकिंग अभियान, स्टंट और ओवरस्पीडिंग पर भी कार्रवाई

पेट्रोल पंप संचालकों से बिना हेलमेट आने वाले दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं देने यानी 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' नियम का पालन कराने की अपील की। वाहन चालकों से हेलमेट, सीट बेल्ट और निर्धारित गति सीमा के नियमों का पालन करने का आग्रह किया।

22 नवंबर को मथुरा रिफाइनरी में होगा ब्लैक आउट, हवाई हमले की मॉक ड्रिल

यूनिक समय, मथुरा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की मथुरा रिफाइनरी में 22 नवंबर को ब्लैकआउट एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। शाम छह बजे नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से काल्पनिक हवाई हमले से बचाव की तैयारियों को परखने के लिए यह अभ्यास होगा। उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा कश्मीर सिंह ने बताया कि यह दूसरा ब्लैकआउट मॉक ड्रिल कार्यक्रम है। इसमें नागरिक सुरक्षा विभाग, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), एसडीआरएफ, अग्निशमन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की टीमें प्रतिभाग करेंगी।

राइजिंग कप में दमखम दिखाने मुरादाबाद रवाना हुई सीएई की अंडर-14 टीम

यूनिक समय, मथुरा। क्रिकेट के मैदान पर मथुरा का नाम रोशन करने के इरादे से क्रिकेट एकेडमी फॉर एक्सीलेंस (सीएई) मथुरा की अंडर-14 टीम राइजिंग कप क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए शुक्रवार को मुरादाबाद रवाना हुई। कप्तान निशांत चौहान की अगुवाई में टीम लगातार तीन दिन 21, 22 और 23 नवंबर को मुकाबले खेलेगी। टीम की कमान निशांत चौहान को सौंपी गई है, जबकि शिवांश शर्मा उपकप्तान और सौरभ चंद्रा विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के सामने लगातार तीन दिन मैदान पर उतरकर

कप्तान निशांत चौहान की अगुवाई में 21 से 23 नवंबर तक खेलेगी मुकाबले

अपनी प्रतिभा और खेल कौशल दिखाने की चुनौती होगी। टीम में निशांत चौहान (कप्तान), शिवांश शर्मा (उपकप्तान), अनंत प्रताप सिंह, सौरभ चंद्रा (विकेटकीपर), आकांक्षा नागर, तरुण शर्मा, कृष्णा गर्ग, आर्यन सिंह, फरहान खान, प्रियांशु वर्मा और हार्दिक शामिल हैं। एकेडमी प्रबंधन ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए मथुरा का गौरव बढ़ाने की उम्मीद जताई।

धूमधाम से मनाया गया खाटू श्याम का जन्मोत्सव, फूल बंगले में सजे बाबा श्याम

यूनिक समय, कोसीकलां। खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव शुक्रवार को नगर में बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। रामनगर स्थित जीतमल भगतजी की बगीची में भव्य फूल बंगला और संकीर्तन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बाबा श्याम का फूलों से मनमोहक बंगला सजाया गया। आकर्षक श्रृंगार और फूल बंगले के दर्शन के लिए शाम से ही श्याम प्रेमियों की भीड़ उमड़ पड़ी। जैसे ही पट खुले, पूरा पंडाल जय श्री श्याम के जयकारों से गूंज उठा। संकीर्तन में स्थानीय प्रसिद्ध भजन गायक अशोक कुमार भार्गव ने बाबा के भजनों की ऐसी सुमधुर प्रस्तुति दी कि श्याम प्रेमी भाव-विभोर होकर नाचने लगे। उनके भजनों पर देर रात तक श्रद्धालु झूमते रहे और पूरा माहौल श्याममय बना रहा। आयोजक दिव्यांशु गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष भी बाबा का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी मौजूद रहे। अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और लैंगिक अनुपात सुधारने पर जोर

एसडीएम ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को किया जागरूक

18 वर्ष की युवतियों के नाम जुड़वाने की अपील

यूनिक समय, मांट। मतदाता सूची में नए नाम पंजीकृत कराने और लैंगिक अनुपात में सुधार के लिए शुक्रवार को एसडीएम चंद्र भूषण प्रताप सिंह ने श्री बृज आदर्श इंटर कॉलेज में शिक्षकों, शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं, विशेषकर युवतियों के नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से दर्ज कराने पर


शिविर का शुभारंभ करते एसडीएम चंद्र भूषण प्रताप सिंह।

जोर दिया।

एसडीएम ने कहा कि 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के नाम भी मतदाता सूची में अवश्य होने चाहिए। उन्होंने बताया कि भविष्य में बुजुर्ग मतदाताओं को घर पर ही बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान की सुविधा दी जाएगी।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपने परिवार के सदस्यों के मतदाता पहचान और सूची में दर्ज क्रमांक की जानकारी करने की अपील की। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को गति देने के लिए इस महीने प्रत्येक बूथ पर चार बार बीएलओ बैठेंगे। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार आंचल सिंगला भी मौजूद रहीं।

प्रधानाचार्य डॉ. देव प्रकाश ने एसडीएम और नायब तहसीलदार का स्वागत किया।

प्रवक्ता दर्शना ने पटका पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान उप प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र, देवेश कुमार, सुरेश चंद्र सारस्वत, हरिओम सिंह, जय प्रकाश, वीरेंद्र सिंह सहित कॉलेज का समस्त

21, 22, 28 और 29 नवंबर को बूथों पर बैठेंगे बीएलओ

यूनिक समय, मथुरा। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में 21, 22, 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। इन दिनों सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और पदाभिहित अधिकारियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक बूथ पर हेल्प डेस्क भी बनाई जाएगी।

अपर जिलाधिकारी डा. पंकज कुमार वर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अभियान दिवसों में मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, नाम हटवाने और विवरण में संशोधन के लिए दावे-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इसके लिए बूथों पर फार्म-6, 6ए, 7 और 8 पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेंगे। हेल्प डेस्क पर मतदाताओं को फार्म भरने में सहायता भी दी जाएगी। अभियान के दौरान अधिकारी मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगे। प्राप्त फार्मों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाएगा और प्रतिदिन अभियान की समीक्षा भी होगी।

सुविचार

शब्दों से किसी का दिल जीतना आसान है, मगर व्यवहार से विश्वास जीतना बड़ी बात है।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	06:32-04:57 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	उ. भाद्रपद	06:56-06:50 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:44 AM	चन्द्रोदय	02:53 PM	
सूर्यास्त		5:26 PM	चंद्रास्त	12:06 AM	
सूर्य राशि		वृश्चिक राशि	चंद्र	मीन राशि	
शुभ मुहूर्त		11:19AM –12:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:58-05:51	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		09:25 AM: 10:45 AM	वार	शनिवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

इंसान ने मांगी लंबी उम्र, गधे कुत्ते और बंदर बने हिस्सेदार



यूनिक समय, मथुरा। कहते हैं कि इंसान को जितनी उम्र मिलती है, वह उससे हमेशा ज्यादा जीने की ख्वाहिश रखता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लंबी उम्र के साथ जिम्मेदारियों का बोझ भी बढ़ता जाता है? एक रोचक लोककथा इसी सवाल का दिलचस्प जवाब देती है।

कहानी के अनुसार, सृष्टि की रचना के समय भगवान ने इंसान और जानवरों के लिए अलग–अलग उम्र निर्धारित की। सबसे पहले गधे को बुलाकर कहा कि तुम्हें 40 साल का जीवन मिलेगा और पूरी उम्र दूसरों का बोझ ढोना पड़ेगा। गधे ने इतनी लंबी मेहनत से बचने के लिए 20 साल ही मांगे और बाकी उम्र लौटा दी।

इसके बाद कुत्ते की बारी आई। भगवान ने उसे 20 साल दिए और कहा कि तुम्हें घर की रखवाली करनी होगी। कुत्ते ने भी 10 साल अपने पास रखकर बाकी लौटा दिए।

फिर बंदर को बुलाया गया। उसे 20 साल तक उछल–कूद करने और लोगों का मनोरंजन करने की जिम्मेदारी मिली। बंदर ने भी 10 साल ही मांगे और बाकी उम्र वापस कर दी।

आखिर में इंसान को बुलाकर भगवान ने 20 साल की उम्र दी और कहा कि तुम्हें खुशी से जीवन बिताना है। इंसान ने पूछा कि सिर्फ 20 साल क्यों? उसे जब पता चला कि तीनों जानवर अपनी कुछ उम्र वापस कर चुके हैं तो उसने वे 40 साल भी मांग लिए।

भगवान ने चेताया कि अतिरिक्त उम्र के साथ उन जानवरों जैसी जिम्मेदारियां भी निभानी होंगी। इंसान ने खुशी–खुशी यह शर्त स्वीकार कर ली।

लोककथा के मुताबिक, इंसान के जीवन के पहले 20 साल मौज–मस्ती और बचपन के होते हैं। अगले 20 साल वह गधे की तरह परिवार की जिम्मेदारियां और कामकाज का बोझ उठाता है। फिर 10 साल कुत्ते की तरह घर–परिवार की रखवाली और चिंता में गुजरते हैं। आखिर के 10 साल बंदर की तरह पोते–पोतियों को हंसाने और उनके साथ समय बिताने में बीतते हैं। इस कहानी का संदेश है कि लंबी उम्र मांगना आसान है, लेकिन उसके साथ आने वाली जिम्मेदारियों को निभाना उतना ही कठिन है।

इंसान ने खुशी–खुशी मांग ली, बचपन के बाद परिवार का बोझ

फिर रखवाली और अंत में पोते–पोतियों को हंसाने की जिम्मेदारी

उम्र के साथ बदलता जाता है इंसान का जीवन

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY	

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

तुलसी विवाह की तैयारी में न छूटे कोई सामान, पूरी लिस्ट करें तैयार



यूनिक समय, मथुरा। मंडप सजाने से लेकर दुल्हन के श्रृंगार और विवाह की रस्मों तक जुटाएं जरूरी सामग्री, शालिग्राम और तुलसी के विवाह में इन चीजों का रखें विशेष ध्यान।

कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वादशी को तुलसी विवाह का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन माता तुलसी का विवाह भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप के साथ कराया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी विवाह कराने से घर में सुख–समृद्धि आती है। इसे कन्यादान के समान पुण्यदायी भी माना जाता है। यदि आप घर पर तुलसी विवाह का आयोजन कर रहे हैं तो पूजा से पहले पूरी सामग्री जुटा लें।

विवाह के लिए चार गन्ने, लाल चुनरी, पीला कपड़ा, आम या अशोक के पत्ते, गेंदे–गुलाब के फूल, मालाएं, कलावा, रंगोली और दीपक रखें।

माता तुलसी के श्रृंगार के लिए साड़ी या चुनरी, बिंदी, सिंदूर, चूड़ियां, मेहंदी, काजल और सुहाग सामग्री की व्यवस्था करें।

भगवान शालिग्राम के लिए पीले वस्त्र, चंदन, जनेऊ रोली, अक्षत और तुलसी दल रखें। पूजा में कलश, गंगाजल, नारियल, पान–सुपारी, कपूर, धूप, अगरबत्ती, घी का दीपक और पूजा थाली जरूरी है। विवाह की रस्मों के लिए दो वरमालाएं, गठबंधन का कपड़ा, पंचामृत, दक्षिणा और कथा पुस्तक रखें। भोग के लिए केला, बेर, आंवला, सिंघाड़ा, गन्ना, मिठाई और खीर की व्यवस्था करें। अंत में आरती कर प्रसाद वितरित करें।

मंडप सजावट और तुलसी के श्रृंगार का सामान

शालिग्राम पूजन से विवाह रस्मों तक तैयारी

किचन स्लैब पर इन चीजों को रखने से बचें, मानी गईं अशुभ

यूनिक समय, मथुरा। रसोईघर केवल खाना बनाने की जगह नहीं, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य और खुशहाली से भी जुड़ा होता है। वास्तु शास्त्र में किचन को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि रसोई की साफ–सफाई और वहां रखी वस्तुओं का घर के वातावरण पर प्रभाव पड़ता है। अक्सर जगह की कमी या लापरवाही के चलते लोग किचन स्लैब पर ऐसी चीजें जमा कर देते हैं, जिन्हें वहां नहीं रखना चाहिए। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में नकारात्मकता और अव्यवस्था बढ़ सकती है। आइए जानते हैं ऐसी छह चीजों के बारे में, जिन्हें किचन स्लैब से दूर रखना बेहतर माना जाता है।

वास्तु के अनुसार, किचन स्लैब पर दवाइयां या फर्स्ट एड बॉक्स रखना शुभ नहीं माना जाता। रसोई भोजन और पोषण का स्थान है, इसलिए दवाइयों के लिए अलग सुरक्षित जगह निर्धारित करनी चाहिए। इसी तरह टूटे या चटके कप, प्लेट और कटोरियां भी स्लैब पर नहीं रखनी



चाहिए। मान्यता है कि ये नकारात्मकता का प्रतीक हैं। इनके अलावा खाना बनाने के बाद गंदे बर्तन और इस्तेमाल किए हुए कपड़े स्लैब पर छोड़ना भी उचित नहीं माना जाता। इससे रसोई की स्वच्छता प्रभावित होती है। वास्तु मान्यताओं के मुताबिक, राशन के खाली डिब्बे और कंटेनर अभाव का संकेत माने जाते हैं। इन्हें स्लैब पर रखने के बजाय निर्धारित स्थान पर व्यवस्थित करना चाहिए। झाड़ू, पोछा और सफाई में इस्तेमाल होने वाले केमिकल भी भोजन बनाने की जगह से दूर रखने चाहिए। इससे रसोई की स्वच्छता बनी रहती है। इसके अलावा खराब मिक्सर, टोस्टर, जूसर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी स्लैब पर जमा करके नहीं रखना चाहिए। उनकी मरम्मत कराएं या अनुपयोगी होने पर हटा दें। वास्तु की मान्यताओं से अलग भी इन बातों का व्यावहारिक महत्व है। साफ–सुथरी और व्यवस्थित रसोई खाना बनाने को आसान बनाती है तथा स्वच्छता बनाए रखने में मदद करती है।

टूटी क्रॉकरी और दवाइयों को रखें दूर

खाली डिब्बे और कबाड़ बढ़ाते हैं अव्यवस्था

मां सरस्वती के वरदान को भी नहीं बचा पाए केशव कश्मीरी, चैतन्य महाप्रभु ने तोड़ा घमंड

यूनिक समय, मथुरा। वैष्णव परंपरा में चैतन्य महाप्रभु और विद्वान केशव कश्मीरी का एक रोचक प्रसंग सुनाया जाता है। केशव कश्मीरी अपनी विद्वत्ता और संस्कृत काव्य रचना के लिए प्रसिद्ध थे। मान्यता है कि मां सरस्वती की कृपा से उन्हें ऐसा वरदान मिला था कि पृथ्वी पर कोई विद्वान उन्हें शास्त्रार्थ में पराजित नहीं कर सकेगा। इसी विश्वास के साथ वह देशभर में घूमते और विद्वानों को शास्त्रार्थ की चुनौती देकर पराजित करते थे। उनकी विजय यात्रा आखिरकार बंगाल के नवद्वीप पहुंची, जहां उस समय युवा चैतन्य महाप्रभु विद्यमान थे।

कथा के अनुसार, केशव कश्मीरी ने चैतन्य महाप्रभु को शास्त्रार्थ की चुनौती दी। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए उन्होंने गंगा के



तट पर खड़े होकर मां गंगा की स्तुति में तत्काल सौ श्लोकों की रचना कर उनका पाठ कर दिया। इतनी तेजी से श्लोकों की रचना और पाठ सुनकर उन्हें अपनी विद्वत्ता पर बड़ा गर्व था। उन्होंने महाप्रभु से पूछा कि उनकी कविता कैसी लगी?

गंगा किनारे सुनाए सौ श्लोक महाप्रभु ने गिनाईं गलतियां

मां सरस्वती ने खोला महाप्रभु की दिव्यता का रहस्य

चैतन्य महाप्रभु ने न केवल उनके श्लोकों को ध्यान से सुना, बल्कि एक श्लोक की पंक्तियों में पांच व्याकरणिक और काव्यगत त्रुटियां भी बता दीं। यह सुनकर केशव कश्मीरी आश्चर्यचकित रह गए। उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि इतनी तेजी से सुनाए गए सौ श्लोकों को कोई इतनी बारीकी से याद भी रख सकता है। महाप्रभु ने अपनी श्रुतिधर क्षमता का परिचय दिया। कथा में आगे बताया जाता है कि पराजय से दुखी केशव कश्मीरी ने मां सरस्वती को याद कर अपने वरदान पर सवाल उठाए। तब मां सरस्वती ने प्रकट होकर बताया कि चैतन्य महाप्रभु कोई सामान्य विद्वान नहीं, बल्कि स्वयं भगवान विष्णु के स्वरूप हैं। वे राधा–कृष्ण के संयुक्त अवतार श्रीकृष्ण चैतन्य हैं। मां सरस्वती ने कहा कि वे स्वयं उनकी सेविका हैं और मनुष्यों को वाणी की शक्ति भी उन्हीं की कृपा से प्राप्त होती है। इसलिए ऐसे परमात्मा के हाथों पराजित होना केशव कश्मीरी का सौभाग्य है। इस प्रसंग का संदेश है कि विद्वत्ता के साथ विनम्रता भी जरूरी है। ज्ञान का वास्तविक उद्देश्य अहंकार बढ़ाना नहीं, बल्कि सत्य और ईश्वर की महिमा को समझना है।

सम्पादकीय

बच्चों को सेवा सिखाइए खुशियों के द्वार खोलिए

आज देवोत्थान एकादशी है। मान्यता है कि भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा के बाद जागते हैं और मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। लेकिन इस बार सवाल सिर्फ भगवान के जागने का नहीं, बल्कि हमारे भीतर सोई संवेदनाओं को जगाने का भी है। क्या हमने कभी सोचा है कि हमारे बच्चे पढ़ाई, मोबाइल और प्रतियोगिता की दौड़ में इतने उलझ गए हैं कि उन्हें दूसरों के दुख–दर्द से जुड़ने का अवसर ही नहीं मिल रहा?



पवन गौतम
संपादक

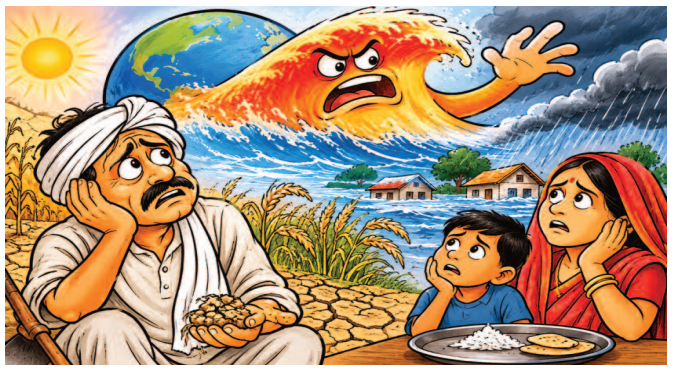
आज माता–पिता बच्चों के लिए अच्छे स्कूल, महंगे मोबाइल, बेहतर कोचिंग और शानदार भविष्य जुटाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। लेकिन दूसरों के काम आने की सीख देने में अक्सर पीछे रह जाते हैं। बच्चे को डॉक्टर, इंजीनियर और अफसर बनाने की चिंता तो है, मगर अच्छा इंसान बनाने की फिक्र कितनी है? डिग्रियां उसे रोजगार दिला सकती हैं, लेकिन संवेदनाएं ही उसे इंसान बनाती हैं। बच्चों को समाजसेवा का पाठ पढ़ाने के लिए किसी बड़े मंच या भारी आयोजन की जरूरत नहीं। मंदिर में जूते–चप्पल व्यवस्थित करवाना, गुरुद्वारे के लंगर में भोजन परोसना, जरूरतमंदों को भोजन देना, बुजुर्गों की मदद करना या सार्वजनिक स्थानों की सफाई में हाथ बंटाना छोटी–छोटी शुरुआत हो सकती है। इन कामों से बच्चे समझेंगे कि समाज केवल सुविधाएं लेने की जगह नहीं, बल्कि जिम्मेदारियां निभाने का भी नाम है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन भी लोककल्याण और दूसरों के सुख–दुख से जुड़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सुदामा को अपनाया, कुब्जा पर कृपा की और गोवर्धन के प्रसंग में सामूहिक शक्ति का महत्व बताया। संदेश साफ है कि दूसरों के लिए खड़े होने वाला व्यक्ति ही समाज में वास्तविक सम्मान पाता है। समाजसेवा बच्चों में धैर्य, सहयोग और जिम्मेदारी का भाव विकसित करती है। दूसरों के बीच समय बिताने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे जीवन की कठिनाइयों को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। माता–पिता को भी बच्चों के साथ ऐसे कामों में भाग लेना चाहिए। केवल उपदेश देने से संस्कार नहीं आते, उन्हें व्यवहार में उतारना पड़ता है। आज जरूरत है कि घरों में सफलता की परिभाषा बदली जाए। केवल अच्छे अंक लाने वाला बच्चा सफल नहीं, बल्कि वह भी सफल है जो किसी रोते चेहरे पर मुस्कान ला सके। देवउठनी एकादशी पर भगवान के जागने की परंपरा के साथ हम अपने भीतर सेवा का भाव भी जगाएं। आखिर दूसरों के काम आने में जो सुकून है, वह महंगे खिलौनों और मोबाइल की चमक में कहां! बच्चों को संपत्ति देने से पहले संवेदना की विरासत दीजिए, क्योंकि बड़ा इंसान वही है जो दूसरों के काम आए।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

अल नीनो की आहट, अब थाली पर मौसम की मार

बोध प्रकाश सगुणी



कभी मौसम किसानों का मिजाज देखकर बदलता था, अब लगता है कि किसानों का भविष्य समुद्र के मिजाज पर निर्भर हो गया है। खेत में हल चलाने वाला किसान आसमान की तरफ देखता है और वैज्ञानिक प्रशांत महासागर का तापमान नापते हैं। दोनों की चिंता एक ही है, लेकिन परेशानी यह है कि बादलों की पंचायत में किसान की कोई सुनवाई नहीं होती। अब अल नीनो ने ऐसी दस्तक दी है कि 2027 में मौसम की मनमानी सीधे रसोई के बजट तक पहुंच सकती है। यानी आने वाले दिनों में थाली में क्या होगा, यह सिर्फ किसान की मेहनत नहीं, समुद्र की गर्मी भी तय कर सकती है।

अल नीनो कोई नया मेहमान नहीं है। यह समय–समय पर आता है, समुद्र का तापमान बढ़ाता है और दुनिया के मौसम का गणित बिगाड़ जाता है। लेकिन इस बार आशंका है कि यह अपने बेहद शक्तिशाली रूप में सामने आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) ने इसके ऐतिहासिक रूप लेने की संभावना जताई है। जनवरी से मार्च 2027 तक इसके मजबूत से बेहद मजबूत बने रहने की आशंका भी जाहिर की गई है। समुद्र का पारा चढ़ेगा तो धरती के कई हिस्सों में कहीं सूखे की तपिश होगी तो कहीं बाढ़ का पानी खेतों की किस्मत बहा ले जाएगा।

विडंबना देखिए, इंसान ने विकास के नाम पर प्रकृति के साथ खूब प्रयोग किए। जंगल काटे, नदियों को बांधा, जमीन को कंक्रीट से भर दिया और हवा में प्रदूषण का ऐसा तड़का लगाया कि अब मौसम भी अपनी पुरानी दिनचर्या भूलता नजर आ रहा है। जब बारिश चाहिए तब बादल छुट्टी पर चले जाते हैं और जब फसल बचाने की जरूरत होती है तब आसमान पानी का हिसाब चुकाने बैठ जाता है। अब इस बदले मिजाज में अल नीनो की भूमिका और चिंता बढ़ा रही है।

खेती कोई ऑनलाइन कारोबार नहीं है कि नुकसान हुआ तो दूसरा विकल्प चुन लिया। किसान बीज खरीदता है, खाद जुटाता है, खेत तैयार करता है और महीनों फसल के साथ अपना भविष्य सींचता है। लेकिन सूखा पड़ जाए तो सिंचाई का संकट, बाढ़ आ जाए तो खड़ी फसल का सत्यानाश। ऊपर से तापमान बढ़ने पर पानी की मांग भी बढ़ जाती है। यानी किसान के सामने एक साथ कई मोर्चे खुलने वाले हैं। फसल बचाने की जद्दोजहद में उसकी जेब पहले ही खाली होती है, मौसम की एक करवट उसे कर्ज के नए चक्रमें धकेल सकती है।

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने भी चेताया है कि अल नीनो के मजबूत होने से कई क्षेत्रों में प्रमुख फसलों का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। खाद्य सुरक्षा पहले से कमजोर देशों में हालात और बिगड़ सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने 22 संवेदनशील देशों के लगभग 90 लाख लोगों की सहायता के लिए 20.2 करोड़ डॉलर जुटाने की अपील की है। किसानों को मौसम के अनुकूल बीज, पशुधन की सुरक्षा और पानी के भंडारण जैसी व्यवस्थाओं में मदद देने की तैयारी है। सवाल यह है कि जब संकट दरवाजे पर दस्तक दे रहा है तो दुनिया को पहले से तैयारी करने की याद क्यों आ रही है? भारत के लिए यह चेतावनी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां खेती का बड़ा हिस्सा मानसून के भरोसे रहता है। मानसून कमजोर हुआ तो खेतों में हरियाली कम और बाजार में महंगाई ज्यादा दिखाई देने लगती है। ऐतिहासिक रूप से अल नीनो का संबंध कमजोर दक्षिण–पश्चिम मानसून से रहा है। हालांकि हर बार इसका असर एक जैसा नहीं होता, लेकिन खतरे को नजरअंदाज करना समझदारी नहीं होगी।

महाराष्ट्र और कर्नाटक के सूखे से जुड़े आंकड़े पहले ही चिंता बढ़ा रहे हैं। महाराष्ट्र के 358 में से 265 तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित किए जाने और कर्नाटक के 239 में से 226 तालुकों में सूखे की स्थिति का जिक्र बताता है कि खेती के सामने चुनौती कितनी बड़ी है। ऐसे में अगला मानसून भी कमजोर रहा तो किसानों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। खेत में पानी नहीं होगा तो मंडी में अनाज कहां से आएगा और मंडी में अनाज कम होगा तो बाजार में कीमतें कौन रोकेगा? खाद्य संकट का मतलब केवल अनाज की कमी नहीं है। इसका असर दाल, सब्जी, तेल, दूध और पशुओं के चारे तक पहुंच सकता है। फसलें प्रभावित होंगी तो उत्पादन घटेगा, आपूर्ति बिगड़ेगी और कीमतों में उछाल आ सकता है। आम आदमी के लिए इसका मतलब होगा कि महीने का बजट बनाने से पहले उसे बाजार के भाव का मौसम विभाग भी देखना पड़ेगा। पहले महंगाई ने रसोई का स्वाद बिगाड़ा, अब मौसम ने भी इसमें अपनी हिस्सेदारी मांगनी शुरू कर दी है। उर्वरकों की आपूर्ति को लेकर जताई जा रही चिंताएं भी इस संकट को जटिल बनाती हैं। अंतरराष्ट्रीय तनाव और आपूर्ति व्यवस्था में बाधाएं खेती की लागत बढ़ा सकती हैं। किसान को खाद महंगी मिले, पानी कम मिले और फसल का दाम अनिश्चित रहे तो खेती आखिर किस भरोसे चलेगी? सरकारें खाद्य सुरक्षा की योजनाएं बनाती हैं, लेकिन असली परीक्षा संकट आने से पहले तैयारी करने में है।

अल नीनो को रोकना भारत या किसी एक देश के बस में नहीं है, लेकिन उसके प्रभाव से होने वाले नुकसान को कम करना जरूर संभव है। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, सूखा और बाढ़ सहने वाली फसलों को बढ़ावा, सिंचाई के बेहतर साधन, पर्याप्त खाद भंडारण और किसानों को समय पर मौसम संबंधी जानकारी देना अब प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकारी गोदामों में अनाज का पर्याप्त भंडार और वितरण व्यवस्था की मजबूती भी जरूरी है। सबसे बड़ी जरूरत है कि आपदा आने के बाद राहत बांटने की राजनीति से आगे बढ़कर पहले से बचाव की नीति बनाई जाए। किसान को केवल मौसम के भरोसे छोड़कर खाद्य सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती। क्योंकि भूख का कोई राजनीतिक दल, सीमा या धर्म नहीं होता। जब फसल चौपट होती है तो उसकी कीमत हर घर चुकाता है।

आखिरकार सवाल सिर्फ इतना नहीं कि अल नीनो कितना ताकतवर होगा, सवाल यह है कि हमारी तैयारी कितनी मजबूत है। समुद्र का तापमान बढ़ना हमारे नियंत्रण में नहीं, लेकिन अपनी नीतियों का पारा चढ़ाना तो हमारे हाथ में है। वरना 2027 में मौसम की मार खेतों से निकलकर रसोई तक पहुंचेगी और तब सरकारें आंकड़ों की फसल काटती रह जाएंगी, जबकि आम आदमी अपनी थाली में भोजन तलाश रहा होगा।

विचार विंडो

आस्था का बॉक्स ऑफिस, भक्ति की नई दुकानदारी

राम प्रकाश वर्मा

कभी बॉलीवुड में प्रेम कहानियां बिकती थीं, फिर देशभक्ति का बाजार गर्म हुआ। कभी अपराध और गैंगस्टर पर्दे पर छाए तो कभी जासूसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमाया। अब फिल्म उद्योग को एक नया फॉर्मूला मिल गया है–भगवान का नाम लीजिए, अध्यात्म का तड़का लगाइए और दर्शकों की भावनाओं के रास्ते टिकट खिड़की तक पहुंच जाइए। सिनेमाघरों में अब सिर्फ मनोरंजन नहीं, आस्था का कारोबार भी पूरे जोर–शोर से चल रहा है। लगता है बॉलीवुड ने समझ लिया है कि जब कहानी में दम हो और विषय में श्रद्धा का रंग, तो कमाई के रास्ते भी खुल सकते हैं।

नीब करौरी बाबा पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' की सफलता ने फिल्म निर्माताओं को ऐसा रास्ता दिखाया है, जिस पर अब पूरी फिल्म इंडस्ट्री दौड़ लगाने को तैयार दिखाई दे रही है। महज 1.7 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म की 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई ने बड़े–बड़े फिल्मी गणितज्ञों को भी सोचने पर मजबूर कर दिया। जिस उद्योग में करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी फिल्में दर्शकों के लिए तरसती हैं, वहां एक छोटे बजट की आध्यात्मिक फिल्म ने कमाई का नया अध्याय लिख दिया। अब निर्माताओं को लग रहा है कि महंगे सितारों और विदेशी लोकेशन पर पैसा बहाने के साथ–साथ भारतीय आस्था की कहानियों में भी बड़ा बाजार मौजूद है।

'हनुमान अंश' की सफलता कोई अकेली घटना नहीं है। 'लालो : कृष्ण सदा सहायते', 'कृष्णावतारम' और 'महावतार नरसिंह' जैसी फिल्मों ने साबित किया है कि दर्शकों के बीच धार्मिक और आध्यात्मिक कहानियों की मजबूत जगह है। अब रामायण पर हजारों करोड़ रुपये की लागत से फिल्म बनाने की तैयारी है। रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी सीता, सनी देओल हनुमान और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा हनुमान, काली और परशुराम जैसे धार्मिक पात्रों पर भी फिल्मों की कतार लग रही है। यानी बॉलीवुड की नई पटकथा में हीरो के हाथ में बंदूक हो या गदा, मंजिल अंततः बॉक्स ऑफिस ही है।

दिलचस्प यह है कि जिस बॉलीवुड ने लंबे समय तक धार्मिक विषयों को सीमित दर्शकों वाला समझकर किनारे रखा, वही अब आस्था के बाजार में सबसे आगे खड़ा दिखाई दे रहा है। कभी धार्मिक फिल्मों को पुराने जमाने का मनोरंजन समझा जाता था, अब वही फिल्म उद्योग के लिए कमाई का नया मंत्र बनती जा रही हैं। निर्माता दर्शकों की धार्मिक भावनाओं को समझने के साथ–साथ उनकी जेब की गहराई भी



नाप रहे हैं। श्रद्धा का यह बाजार जितना भावनात्मक है, उतना ही कारोबारी भी।

हालांकि दर्शकों को सिर्फ भगवान का नाम सुनाकर सिनेमाघरों तक नहीं खींचा जा सकता। 'हनुमान अंश' की सफलता का कारण केवल धार्मिक विषय नहीं, बल्कि उसकी सादगी और कहानी की ईमानदारी भी है। फिल्म में बाबा को चमत्कारों का ठेकेदार बनाने के बजाय प्रेम, सेवा और मानवीय व्यवहार का संदेश देने वाले गुरु के रूप में दिखाया गया। यही बात दर्शकों के दिल तक पहुंची। यदि निर्माता यह मान लें कि पर्दे पर भगवान का नाम आते ही टिकटों की बारिश होने लगेगी तो यह उनकी सबसे बड़ी गलतफहमी होगी।

आस्था का मामला बाकी फिल्मी मसालों से थोड़ा अलग है। यहां दर्शक केवल मनोरंजन नहीं, भावनात्मक जुड़ाव और विश्वास भी तलाशते हैं। धार्मिक पात्रों की वेशभूषा, संवाद, चरित्र और प्रसंगों को लेकर दर्शकों की संवेदनशीलता भी अधिक होती है। रामायण के टीजर पर उठे सवाल इसका उदाहरण हैं। दर्शकों को भव्य दृश्य चाहिए, लेकिन पात्रों की गरिमा और कथा की मर्यादा से समझौता मंजूर नहीं। भगवान को सुपरहीरो की तरह दिखाने की कोशिश हो सकती है, मगर उनकी कथा को केवल दृश्य प्रभावों का तमाशा बना देना जोखिम भरा है।

एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या धार्मिक फिल्मों की यह लहर भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ने का प्रयास है या फिर मनोरंजन उद्योग ने नया कमाऊ बाजार खोज लिया है? दोनों बातें एक साथ भी हो सकती हैं। भारतीय पौराणिक कथाओं में ऐसी कहानियों की भरमार है, जिनमें त्याग, न्याय, साहस, प्रेम और कर्तव्य जैसे सार्वभौमिक संदेश मौजूद हैं। इन्हें नई पीढ़ी तक आधुनिक तकनीक और रोचक कहानी के माध्यम से पहुंचाना स्वागतयोग्य है। लेकिन इतिहास, आस्था और कल्पना के बीच की रेखा मिटाकर किसी विचारधारा का प्रचार करना सिनेमा की रचनात्मक स्वतंत्रता और सामाजिक जिम्मेदारी दोनों के लिए चुनौती बन सकता है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत किसी एक कहानी, भाषा या समुदाय तक सीमित नहीं है। यहां अनेक परंपराएं, मान्यताएं और धार्मिक आख्यान साथ–साथ विकसित हुए हैं। सिनेमा का काम इन विविधताओं को समृद्ध करना होना चाहिए, न कि उन्हें किसी एक खांचे में बंद करना। धार्मिक कथाओं को पर्दे पर लाने का मतलब दूसरे विचारों को छोटा दिखाना नहीं हो सकता। फिल्मकारों को यह भी समझना होगा कि धार्मिक भावनाओं का सम्मान और कलात्मक स्वतंत्रता एक–दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

फिल्म उद्योग को यह समझना होगा कि आस्था कोई तैयार माल नहीं, जिसे पैक करके बाजार में उतार दिया जाए। श्रद्धा को विज्ञापन की भाषा और भक्ति को कमाई के आंकड़ों में बदलने की जल्दबाजी आखिरकार दर्शकों का भरोसा तोड़ सकती है। निर्माता भगवान के नाम पर फिल्म बना सकते हैं, लेकिन दर्शकों के दिल में जगह केवल अच्छी कहानी, संवेदनशील प्रस्तुति और ईमानदार अभिनय से ही बनेगी।

बॉलीवुड के लिए यह अच्छा अवसर है कि वह अपनी सांस्कृतिक विरासत की ओर लौटे और भारतीय कथाओं को वैश्विक मंच पर पहुंचाए। मगर इस दौड़ में उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि मंदिर की घंटी और सिनेमाघर की टिकट खिड़की का उद्देश्य अलग–अलग है। भगवान के दरबार में श्रद्धा चलती है, बॉक्स ऑफिस पर कारोबार। दोनों को मिलाने की कोशिश में कहीं ऐसा न हो कि निर्माता कमाई गिनते रह जाएं और दर्शक पूछ बैठें–भक्ति देखने आए थे या दुकानदारी?

29 साल बाद श्रीलंका के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

1997 के बाद पहली बार पूरे साल एक भी टेस्ट नहीं जीत सकी श्रीलंकाई टीम



यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान ने रावलपिंडी में खेले गए दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर दो मैचों की श्रृंखला अपने नाम कर ली। शुक्रवार को मुकाबले के चौथे दिन पाकिस्तान ने जीत के लिए मिले 90 रन के लक्ष्य को दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस हार के साथ ही श्रीलंका के नाम 29 साल पुराना शर्मनाक इतिहास दोबारा दर्ज हो गया। टीम इस कैलेंडर वर्ष में एक भी टेस्ट मुकाबला नहीं जीत सकी। इससे पहले वर्ष 1997 में श्रीलंका को पूरे साल टेस्ट क्रिकेट में जीत नसीब नहीं हुई थी।

मुकाबले में पाकिस्तान ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। श्रीलंका की पहली पारी महज 98 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 325 रन बनाकर 227 रन की बड़ी बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में श्रीलंका ने बेहतर बल्लेबाजी करते हुए 316 रन बनाए और पाकिस्तान के सामने 90 रन का लक्ष्य रखा। हालांकि, पहली पारी की बड़ी बढ़त के कारण श्रीलंका पाकिस्तान को चुनौतीपूर्ण लक्ष्य नहीं दे सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने 13 ओवर में दो विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। अजान अवैस 32 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि आमिर जमाल ने महज 22 गेंदों में नाबाद 34 रन ठोक दिए। उनकी पारी में पांच चौके और एक छक्का शामिल रहा। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने पिछले दो साल में पहली बार टेस्ट श्रृंखला अपने नाम की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में हालांकि पाकिस्तान 16 अंकों के साथ नौवें स्थान पर बना हुआ है।

आदित्य धर ने यामी गौतम को बताया अपना लेडी लक



बोले–उनके आने से बदल गई किस्मत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड निर्देशक आदित्य धर ने अपनी सफलता का श्रेय पत्नी यामी गौतम को देते हुए उन्हें अपना लेडी लक बताया है। सीएनएन–न्यूज़18 इंडियन ऑफ द ईयर 2026 के मंच पर दोनों ने एक–दूसरे की जमकर तारीफ की। आदित्य ने कहा कि यामी के उनकी जिंदगी में आने के बाद उनकी किस्मत बदल गई। उन्होंने यामी को गोल्डन हार्ट वाली इंसान बताते हुए कहा कि दर्शकों ने अभी उनकी प्रतिभा का पूरा हुनर नहीं देखा है। आदित्य धर ने अपनी पेशेवर यात्रा के बारे में बात करते हुए बताया कि उनकी सफलता रातोंरात नहीं मिली, बल्कि इसके पीछे करीब 20 साल की मेहनत और संघर्ष है। वह साल 2006 में मुंबई आए थे और शुरुआत में सहायक निर्देशक, गीतकार और संवाद लेखक के रूप में काम किया। साल 2019 में फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' से बतौर निर्देशक पहचान मिली। वहीं यामी गौतम ने भी पति की तारीफ करते हुए उनकी ईमानदारी, मजबूत इरादों और काम के प्रति जुनून को उनकी सबसे बड़ी खूबी बताया। उन्होंने बताया कि आदित्य कई बार लगातार 70 घंटे तक बिना सोए काम कर चुके हैं। यामी के मुताबिक, मुश्किलों के बावजूद आदित्य ने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। बता दें कि दोनों की शादी 4 जून 2021 को हुई थी और मई 2024 में उनके बेटे वेदाविद का जन्म हुआ।

सिराज को टीम में जगह नहीं मिलने पर इमरान मसूद का विवादित बयान



यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिलने पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने टीम चयन पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद सिराज को मौका नहीं दिया गया, क्योंकि उनका नाम सिराज है। मसूद ने इसे भेदभाव बताते हुए कहा कि अगर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी किसी खिलाड़ी को टीम में जगह नहीं मिलती है, तो सवाल उठना लाजिमी है।

वहीं, सिराज को टीम से बाहर रखने के फैसले पर पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी नाराजगी जताई है। उन्होंने सिराज के अनुभव, आक्रामकता और गेंदबाजी क्षमता का जिक्र करते हुए सवाल किया कि आखिर उन्हें प्लेइंग इलेवन में क्यों नहीं चुना गया। शास्त्री के मुताबिक, अगर चयन का आधार गेंदबाज की रफ्तार, कौशल और सीम मूवमेंट था, तो सिराज को बाहर रखने पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इसके अलावा पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भी सिराज का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सिराज ने हमेशा भारतीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और उन्हें बेहतर मौका मिलना चाहिए था। गावस्कर ने टीम में सिराज को नहीं देखकर निराशा जताई और चयन के फैसले को अपनी समझ से परे बताया।

धनुष ने बेटों यात्रा और लिंगा को बताया अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा



पिता की हर फिल्म पसंद करते हैं बेटे

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता धनुष ने अपने बेटों यात्रा और लिंगा को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी प्रेरणा बताया है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने अपने बच्चों के साथ रिश्ते और उनके साथ बिताए पलों के बारे में खुलकर बात की। धनुष ने बताया कि उनके दोनों बेटे उनकी फिल्मों को पसंद करते हैं और उनकी हर फिल्म को लेकर उत्साहित रहते हैं। उनके लिए यह बात बेहद खास है कि उनके बच्चे उनके काम को पसंद करते हैं और उन पर गर्व महसूस करते हैं।

धनुष ने कहा कि वह चाहते हैं कि उनके बेटे जिंदगी में उनसे भी ज्यादा सफल और बेहतर इंसान बनें। उनकी सबसे बड़ी ख्वाहिश है कि यात्रा और लिंगा उनसे आगे बढ़ें और अपनी अलग पहचान बनाएं।

अभिनेता के मुताबिक, बच्चों का प्यार और उनका भरोसा उन्हें लगातार बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने यह भी बताया कि उनके बेटे उनकी फिल्मों को लेकर अपनी राय रखते हैं और कई बार उनके काम की तारीफ भी करते हैं। धनुष के लिए बच्चों की प्रतिक्रिया किसी भी पुरस्कार से कम नहीं है। उनका मानना है कि माता–पिता के तौर पर सबसे बड़ी खुशी यही है कि बच्चे उन पर गर्व करें।

बच्चे की एक जिद, परिवार की पूरी कहानी है 'लिटिल थॉमस'



मासूमियत, शरारत और रिश्तों की हल्की फुल्की नोकझोंक से सजी फिल्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। निर्देशक कौशल ओझा की फिल्म 'लिटिल थॉमस' बचपन की एक छोटी–सी ख्वाहिश को पारिवारिक मनोरंजन का आधार बनाती है। सात साल का थॉमस घर में एक छोटा भाई चाहता है। अपनी इस जिद को पूरा कराने के लिए वह कभी शरारत करता है तो कभी ऐसी हरकतें कि माता–पिता की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। बच्चे की इसी जिद के इर्द–गिर्द फिल्म का पूरा ताना–बाना बुना गया है।

फिल्म की कहानी 90 के दशक के गोवा में बसती है। थॉमस के माता–पिता डेसमंड और जेसी बेकरी चलाते हैं। कामकाज और घरेलू जिम्मेदारियों के बीच बेटे की फरमाइश उनके लिए नई चुनौती बन जाती है। फिल्म में बच्चे की मासूम सोच और बड़ों की व्यावहारिक दुनिया के बीच का टकराव कई हल्के–फुल्के हास्यपूर्ण दृश्य पैदा करता है।

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसका बाल किरदार और उसकी सहज शरारतें हैं। हालांकि कहानी में न कोई बड़ा रोमांच है और न ही कोई चौंकाने वाला मोड़। कुछ प्रसंग अनुमान के मुताबिक आगे बढ़ते हैं, जिससे कथानक में नवीनता की कमी खलती है। इसके बावजूद फिल्म अपनी सरलता और पारिवारिक भावनाओं के कारण जुड़ाव बनाए रखती है।

कुल मिलाकर 'लिटिल थॉमस' कोई लीक से हटकर सिनेमाई अनुभव नहीं देती, लेकिन बचपन की मासूमियत और परिवार की छोटी–छोटी खुशियों को पर्दे पर खूबसूरती से उभारती है। हल्के मनोरंजन और साफ–सुथरी पारिवारिक कहानी पसंद करने वालों के लिए यह फिल्म देखी जा सकती है।

मास्टर्स इलेवन ने जीता लायंस प्रीमियम लीग का खिताब

मोहित चौधरी बने फाइनल के मैन ऑफ द मैच, तनु गर्ग को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार



मास्टर्स इलेवन के खिलाड़ियों को विजेता ट्रॉफी सौंपते श्री वृंदा ग्रुप के चेयरमैन राम अग्रवाल, खुशी मनाते खिलाड़ी।

यूनिक समय, मथुरा। लायंस क्लब मथुरा प्रीमियम और श्री वृंदा ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित लायंस प्रीमियम लीग 2026 का खिताबी मुकाबला रोमांचक रहा। फाइनल में मास्टर्स इलेवन ने केएमबी वारियर्स को 40 रन से हराकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। केएमबी वारियर्स उपविजेता रही।

केएमबी वारियर्स के कप्तान मनीष बिंदल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। मास्टर्स इलेवन ने दो विकेट पर 207 रन बनाए। जवाब में केएमबी वारियर्स की टीम आठ विकेट पर 167 रन ही बना सकी।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री वृंदा ग्रुप के चेयरमैन राम अग्रवाल, डायरेक्टर विशाखा अग्रवाल और राघव अग्रवाल ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की।

फाइनल के मैन ऑफ द मैच मोहित चौधरी, बेस्ट बॉलर तनु गर्ग और बेस्ट बैट्समैन मोहित चौधरी रहे। पूरे टूर्नामेंट में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए तनु गर्ग को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

प्रतियोगिता में मास्टर्स इलेवन, केएमबी वारियर्स, एसआरपी किंग्स और बीएस टाइटंस ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में संस्थापक लायन चौधरी मोहित अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, अध्यक्ष देवाशीष अग्रवाल, सचिव लव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नीरज अग्रवाल, शुभांशु अग्रवाल, आयूष मित्तल, हेमंत अग्रवाल, नितांशु अग्रवाल, गौरव बंसल, रितेश अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, केशव अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, गौरव मित्तल, सन्नी चोपड़ा, गौरव चाहर, संदीप बंसल, संदेश मित्तल, राहुल गर्ग, मयंक अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, रवीश अग्रवाल और मुकुल मित्तल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

यूपी में मौसम का यू–टर्न, बारिश कोहरे के साथ बढ़ेगी ठिठुरन

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान अकवान का असर प्रदेश के मौसम पर दिखाई देने लगा है। पूर्वांचल के 41 शहरों में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। वहीं, शुक्रवार सुबह प्रदेश के 28 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कई स्थानों पर दृश्यता घटकर महज 10 से 30 मीटर तक रह गई। इसके चलते सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।



मौसम में आए इस बदलाव के बीच रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश के कई शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। कानपुर 9.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सीजन का सबसे ठंडा शहर रहा। हरदोई और मुजफ्फरनगर में भी न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज किया गया। दूसरी ओर दिन का तापमान भी गिरकर 30 डिग्री से नीचे पहुंच रहा है। बहराइच और चंदौली में अधिकतम तापमान 29 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, चक्रवाती तूफान के प्रभाव से प्रदेश में बादलों की आवाजाही बढ़ी है। 21 और 22 नवंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश के आसार हैं। इसके बाद ठंड और गलन बढ़ने के साथ कोहरे का असर भी तेज हो सकता है। गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, जौनपुर समेत कई जिलों में सुबह के समय सावधानी बरतने की जरूरत है।

मौसम में बदलाव का असर किसानों की चिंता बढ़ा सकता है। गेहूं, चना, मटर और सरसों की बुवाई के दौरान खेतों में जलनिकासी का विशेष ध्यान रखें। जिन खेतों में पर्याप्त नमी है, वहां अनावश्यक सिंचाई न करें। सरसों में सफेद रतुआ, आलू में झुलसा रोग और दलहनी फसलों में अधिक नमी से होने वाले नुकसान पर नजर रखें। कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेकर ही फसलों में दवा और सिंचाई का इस्तेमाल करें।

चक्रवाती तूफान अकवान का दिखने लगा असर

पूर्वांचल के 41 शहरों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट

28 जिलों में घने कोहरे ने थामी रफ्तार

रबी फसलों पर भी मौसम की मार का खतरा

यूपी एसटीएफ ने शूटर नसीम को मार गिराया



यूनिक समय, बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने बुलंदशहर के सिकंदराबाद क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान शूटर नसीम दुर्रानी (37) को मार गिराया। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। दिल्ली में चार दिन पहले हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। गुरुवार रात हुई कार्रवाई के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली निवासी नसीम का सोशल मीडिया अकाउंट भी पुलिस जांच में सामने आया है। उसके इंस्टाग्राम बायो में नाम 'बदनाम', पता 'तिहाड़ जेल' और काम 'मरने तक क्राइम' लिखा था। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट समेत करीब 26 मुकदमे दर्ज थे। पुलिस के मुताबिक, 16 नवंबर को दिल्ली के खजूरी खास क्षेत्र में समीर नाम के युवक की हत्या हुई थी। इस मामले में नसीम वांछित था। मई 2026 में राजा की सुपारी मिलने का भी आरोप लगा था। एसटीएफ ने मौके से बाइक और दो पिस्टल बरामद करने की जानकारी दी है। पुलिस उसके सोशल मीडिया अकाउंट और आपराधिक नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

दिल्ली हत्याकांड के बाद एसटीएफ ने घेरा

इंस्टाग्राम बायो में अपराध को बनाया पहचान

मेवाती हत्याकांड और वर्ष 2025 में गाजियाबाद के लोनी में महिला पर गोली चलाने के मामले में भी उसका नाम सामने आया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, नसीम के अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील से संपर्क थे। वर्ष 2017 में तिहाड़ जेल में छोटा राजन की हत्या

जेसीबी से कुचलकर भाजपा नेता के बेटे की मौत, पांच गिरफ्तार

यूनिक समय, गोरखपुर। गोरखपुर में भाजपा नेता के 14 वर्षीय बेटे आर्यवर्धन की जेसीबी की चपेट में आने से मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। गुरुवार देर रात जेसीबी चालक समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, एफआईआर में नामजद सपा नेता साधु यादव को भी पुलिस पूछताछ के लिए एम्स थाने ले गई। पुलिस मामले में उनकी भूमिका की जांच कर रही है।

सपा नेता के भाई सुरेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके घर को चारों तरफ से घेर लिया था। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से घर पहुंचने की अपील भी की। साधु यादव की पत्नी चिंता यादव कैंपियरगंज से सपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुकी हैं। साधु यादव भी आगामी चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। बुधवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के स्वागत में निकाले गए रोड शो में चार बुलडोजर शामिल किए गए थे। इनमें एक पर फूलों की बड़ी माला और दूसरे पर पोस्टर लगाया गया था। रोड शो से लौटते समय एक बुलडोजर की चपेट में आने से भाजपा नेता ओंकार सिंह के बेटे आर्यवर्धन की मौत हो गई थी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। एसपी सिटी निमिष पाटील के मुताबिक, पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और चार जेसीबी कब्जे में ली हैं। मामले में छह नामजद और 60 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

सपा नेता साधु यादव को भी पूछताछ के लिए थाने ले गई पुलिस

परिजनों ने लगाया घर घेरने का आरोप, रोड शो से लौटते समय हुआ था हादसा

ऋषिकेश में गंगा के तेज बहाव में बहा आगरा का 15 वर्षीय छात्र



यूनिक समय, आगरा। स्कूल भ्रमण पर ऋषिकेश आए आगरा के एक छात्र के गंगा में डूबने से हड़कंप मच गया। लक्ष्मण झूला क्षेत्र में साथियों के साथ नदी में नहाते समय 15 वर्षीय अंश तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। जल पुलिस, स्थानीय लोगों और एसडीआरएफ ने उसकी तलाश में अभियान चलाया, लेकिन देर शाम तक उसका पता नहीं चल सका।

आगरा के रोहता निवासी राजकुमार शर्मा का बेटा अंश कक्षा 10 का छात्र था। गुरुवार को वह 32 विद्यार्थियों और पांच शिक्षकों के दल के साथ ऋषिकेश भ्रमण पर आया था। दल लक्ष्मणझूला पुल के पास घाट पर पहुंचा, जहां अंश अपने साथियों के साथ गंगा में नहाने लगा। इसी दौरान वह तेज बहाव में बह गया। साथियों के शोर मचाने पर बचाव की कोशिश शुरू हुई।

सूचना पर जल पुलिस और स्थानीय लोगों ने छात्र को बचाने का प्रयास किया। एसडीआरएफ की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर नदी में तलाश की। काफी देर तक अभियान चलने के बावजूद छात्र का सुराग नहीं मिला। अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया। शुक्रवार को दोबारा तलाश की जाएगी। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है।

32 विद्यार्थियों के दल के साथ आया था अंश

अंधेरा होने पर रोकना पड़ा तलाशी अभियान

पार्किंग विवाद में प्रोफेसर पर छात्राओं से अभद्रता का आरोप



यूनिक समय, आगरा। आगरा के डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्व विद्यालय में पार्किंग को लेकर विवाद तूल पकड़ गया है। इतिहास विभाग के प्रोफेसर बीडी शुक्ला पर चार छात्राओं से गाली–गलौज और अभद्रता करने का आरोप लगा है। छात्राओं का कहना है कि प्रोफेसर ने उनका मोबाइल फोन छीनकर फेंक दिया और विरोध करने पर मारने की धमकी दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना गुरुवार शाम करीब चार बजे ललित कला संस्थान की बेसमेंट पार्किंग की है। छात्राएं अपनी गाड़ी निकालने पहुंची थीं। इसी दौरान पार्किंग में खड़ी गाड़ी को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि प्रोफेसर ने अपनी कार लगाकर रास्ता रोक दिया और छात्राओं से अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर फोन छीनकर फेंक दिया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद एनएसयूआई के प्रदेश सचिव आशीष प्रिंस ने इसे निंदनीय बताया। उन्होंने कुलपति से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित प्रोफेसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

फोन छीनकर फेंकने और मारने की धमकी देने का आरोप

वीडियो वायरल होने पर एनएसयूआई ने कुलपति से मांगी कार्रवाई

शादी में जा रहे दोस्तों की कार बनी काल

गाजीपुर के चार युवकों समेत सात की मौत

यूनिक समय, गाजीपुर। बिहार के बक्सर जिले में गुरुवार रात भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की जान चली गई। हादसे में दूल्हे के चार दोस्तों समेत कार सवार चार और बाइक सवार तीन युवक शामिल हैं। कार में सवार पांच युवक उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से बिहार के कैमूर जिले में बारात में शामिल होने जा रहे थे। हादसे की खबर मिलते ही शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।



घटना राजपुर थाना क्षेत्र के सोनपा गांव के पास एनएच–319ए पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की रफ्तार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे थी। इसी दौरान कार ने बाइक को टक्कर मार दी।

इसके बाद अनियंत्रित कार सड़क किनारे कई बार पलटते हुए पेड़ से जा टकराई। सूचना पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने कार में फंसे युवकों को बाहर निकालने में मदद की। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चार लोगों ने दम तोड़ दिया।

मृतकों में भतौरा गांव के बादल कुमार (30), इरफान अंसारी (25), अरबाज अली (20) और दिव्यांशु ठाकुर (22) शामिल हैं। बाइक सवार अरुण कुमार (22), शुभम कुमार (21) और शिवम कुमार (18) की भी मौत हो गई। कार भतौरा गांव का छांगुर कुमार उर्फ सतेंद्र चला रहा था, जिसका हादसे के बाद पता नहीं चल सका।

उतरौली गांव का अरुण कुमार सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहा था। वह एक दिन पहले ही अपने मामा के घर सोनपा आया था। गुरुवार शाम वह दोस्तों के साथ बाइक से निकला था। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

100 की रफ्तार में बाइक से टकराई कार

कई बार पलटने के बाद पेड़ से भिड़ी

सेना भर्ती की तैयारी कर रहा था अरुण

ताजमहल में भाजपा नेता ने लगाए राजनीतिक नारे, एफआईआर दर्ज

यूनिक समय, आगरा। आगरा के ताजमहल परिसर में भाजपा ब्रज क्षेत्र पिछड़ा मोर्चा के सोशल मीडिया प्रभारी राजेश राठौर ने राजनीतिक नारेबाजी कर वीडियो बनाया। 34 सेकेंड के वीडियो में उन्होंने ताजमहल को तेजोमहल बताते हुए कहा, 'राधे–राधे कमल खिला दे' और जय श्रीराम का नारा लगाया। वीडियो वायरल होने के बाद एएसआई ने ताजगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। विश्व धरोहर सप्ताह के पहले दिन गुरुवार को ताजमहल में निशुल्क प्रवेश के चलते पर्यटकों की भीड़ थी। राजेश ने वीडियो फेसबुक पर पोस्ट किया था, लेकिन पुलिस की सक्रियता के बाद हटा दिया। उन्होंने इसे गलती बताया। अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. स्मिता कुमार ने कहा कि मामला संज्ञान में आने पर शिकायत दर्ज कराई गई। अधिकारियों के मुताबिक ताजमहल परिसर में राजनीतिक गतिविधियां और नारेबाजी प्रतिबंधित हैं।

आंध्र-ओडिशा तट से टकराया चक्रवात अकवान

90 किमी की रफ्तार से चलीं हवाएं



चार लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

तीन राज्यों में भारी बारिश, 69 रेलगाड़ियां रद्द

कई राज्यों में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट पर शुक्रवार सुबह चक्रवाती तूफान अकवान ने दस्तक दी। सुबह करीब 7:30 से 8:30 बजे के बीच तूफान गोपालपुर तट के पास पहुंचा। इस दौरान 70 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तूफान का असर ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में दिखाई दे रहा है। तीनों राज्यों के कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है।

ओडिशा सरकार के मुताबिक, तूफान को देखते हुए करीब चार लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इनके लिए 9,341 राहत शिविर बनाए गए हैं और 423 बचाव दल तैनात किए गए हैं। राज्य सरकार ने फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं दी है।

तूफान के कारण रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। पूर्वी रेलवे की 41 और दक्षिण पूर्व रेलवे की 28 रेलगाड़ियां रद्द कर दी गई हैं। 29 अन्य रेलगाड़ियों के समय में बदलाव किया गया है।

चक्रवात का असर झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी समेत कई राज्यों में पड़ने की आशंका है। झारखंड के पांच जिलों धनबाद, बोकारो, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंह भूम और पश्चिमी सिंहभूम में तेज बारिश और हवाओं को लेकर नारंगी चेतावनी जारी की गई है। पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में भी भारी बारिश का अनुमान है। गंगासागर में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को समुद्र तट से हटाया जा रहा है।

ओडिशा के दरिंगबाड़ी में भूस्खलन की आशंका के चलते दो गांवों से 90 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इन्हें सियांगबली हाईस्कूल में बनाए गए राहत शिविर में पहुंचाया गया। गंजाम जिले में पुलिस ने दुर्गम रास्तों से एक बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रशासन ने मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने और लोगों को समुद्र तटों से दूर रहने की सलाह दी है। बचाव दल लगातार तटीय क्षेत्रों में निगरानी कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत पहुंचे पाकिस्तानी मंत्री



शंघाई सहयोग संगठन के सभ्यता मंच में करेंगे शिरकत

मोदी आज पुराना किला में करेंगे उद्घाटन

पाकिस्तान ने संस्कृति मंत्री की जगह भेजे जलवायु मंत्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाकिस्तान का कोई संघीय मंत्री भारत पहुंचा है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण समन्वय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक शुक्रवार सुबह दिल्ली पहुंचे। वह शंघाई सहयोग संगठन के सभ्यता संवाद मंच में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह कार्यक्रम 20 से 22 नवंबर तक दिल्ली के पुराना किला में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार शाम करीब 5:30 बजे इसका उद्घाटन करेंगे।

भारत ने पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत एवं संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची को आमंत्रित किया था, लेकिन पाकिस्तान ने मुसादिक मसूद मलिक को प्रतिनिधिमंडल का प्रमुख बनाया। मई 2023 में बिलावल भुट्टो जरदारी के गोवा दौरे के बाद किसी पाकिस्तानी संघीय मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। भारत ने इस मंच के लिए 25 देशों को निमंत्रण भेजा है, जिनमें 15 देशों ने भागीदारी की पुष्टि की है। चीन, ईरान, नेपाल, सऊदी अरब और श्रीलंका सहित कई देश इसमें शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य सदस्य देशों की साझा सभ्यता, संस्कृति और विरासत पर संवाद बढ़ाना है।

आईएसआई से संबंधों के शक में बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार



सैन्य ठिकानों की जासूसी का संदेह

पर्यटक वीजा पर आया था भारत

बांग्लादेश लौटते समय आव्रजन जांच चौकी पर पकड़ा गया

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंधों के संदेह में एक बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिया है। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान 30 वर्षीय मोहम्मद सलीम के रूप में हुई है। वह बांग्लादेश के कुड़िग्राम का रहने वाला है। गुरुवार शाम बांग्लादेश लौटते समय उसे चांगराबांधा आव्रजन जांच चौकी पर पकड़ा गया। वह पर्यटक वीजा पर भारत आया था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय खुफिया एजेंसियां पहले से ही सलीम पर नजर रख रही थीं। आशंका है कि उसने दार्जिलिंग के पर्यटन स्थलों के अलावा उत्तर बंगाल के सैन्य ठिकानों की जानकारी जुटाई हो। इनमें बागडोगरा और हाशिमारा वायुसेना अड्डे शामिल हैं। फिलहाल मेखलीगंज थाने में उससे पूछताछ की जा रही है। सलीम के पास से अनिल असगर कालहोरो नामक व्यक्ति का विजिटिंग कार्ड मिलने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि यह व्यक्ति आईएसआई का वरिष्ठ अधिकारी हो सकता है और बांग्लादेश में रह रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी और खुफिया ब्यूरो के अधिकारी भी पूछताछ के लिए पहुंच रहे हैं। जांच एजेंसियां पता लगा रही हैं कि सलीम भारत में किन स्थानों पर गया, किन लोगों से मिला और उसके पास यह कार्ड कैसे पहुंचा। हालांकि, आईएसआई से उसके संबंधों और जासूसी के आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एंथ्रोपिक के आईपीओ ने बनाया इतिहास, हजारों कर्मचारी मालामाल



400 से अधिक कर्मचारी बने अरबपति

2,800 कर्मचारियों को 93-93 करोड़ रुपये से ज्यादा का फायदा

अमेरिका की सातवीं सबसे मूल्यवान कंपनी बनी

ओपनएआई से अलग होकर बनाई थी कंपनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने अमेरिकी शेयर बाजार में उतरते ही इतिहास रच दिया। कंपनी ने पहली बार सार्वजनिक शेयर बिक्री (आईपीओ) के जरिए 81.3 अरब डॉलर यानी करीब सात लाख करोड़ रुपये जुटाए। इसके साथ ही उसने स्पेसएक्स का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। गुरुवार को कंपनी का शेयर 83 डॉलर के शुरुआती मूल्य के मुकाबले 34 प्रतिशत उछलकर 111.50 डॉलर पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में यह 97.17 डॉलर पर बंद हुआ।

इस आईपीओ से कंपनी के हजारों कर्मचारियों की संपत्ति में भारी इजाफा हुआ है। अनुमान के मुताबिक, 400 से अधिक कर्मचारियों की हिस्सेदारी का मूल्य 900 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। वहीं, करीब 2,800 कर्मचारी 93 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के मालिक बन गए हैं। हालांकि, शेयर बेचने पर निर्धारित रोक के कारण कर्मचारी फिलहाल अपनी पूरी हिस्सेदारी नहीं बेच सकेंगे।

आईपीओ के बाद एंथ्रोपिक का बाजार मूल्य करीब 1.8 लाख करोड़ डॉलर बताया गया। कारोबार के दौरान यह दो लाख करोड़ डॉलर के पार भी पहुंचा। कंपनी ने इस उपलब्धि से अमेरिकी प्रौद्योगिकी जगत में अपनी मजबूत जगह बनाई है।

डारियो अमोदेई और उनकी बहन डेनिएला अमोदेई समेत सात लोगों ने 2021 में एंथ्रोपिक की शुरुआत की थी। इसका प्रमुख उत्पाद क्लॉड चैटबॉट है। कंपनी का उद्देश्य सुरक्षित और भरोसेमंद कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करना है।

मुख्यमंत्री योगी की मां सावित्री देवी का निधन, 91 वर्ष की थीं



पौड़ी गढ़वाल के पंचूर गांव में ली अंतिम सांस

ऋषिकेश में हो सकता है अंतिम संस्कार

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 91 वर्ष की थीं और लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में सुबह करीब 11 बजे अंतिम सांस ली। निधन के समय घर पर उनके बेटे महेंद्र और परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, शनिवार को ऋषिकेश के संपूर्णानंद घाट पर अंतिम संस्कार किए जाने की संभावना है।

योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट का अप्रैल 2020 में निधन हुआ था। कोरोना महामारी के कारण योगी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके थे। उन्होंने इस पर दुख भी जताया था।

मई 2022 में योगी करीब 28 साल बाद पारिवारिक समारोह में शामिल होने पंचूर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मां के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और तस्वीर साझा करते हुए केवल 'मां' लिखा था। जून 2024 में वह ऋषिकेश एम्स में भी मां से मिलने पहुंचे थे। मई 2026 में भी उन्होंने गांव पहुंचकर मां का आशीर्वाद लिया था।

सोना सालभर के निचले स्तर पर, एक दिन में 6 हजार टूटा



चांदी भी 10 हजार लुढ़की, सोना 1.23 लाख और चांदी 1.50 लाख रुपये पर पहुंची

ऊंचे स्तर से सोना 30% चांदी 60% लुढ़की

खरीदारी से पहले शुद्धता और भाव जांचें

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोना-चांदी की कीमतों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। भारतीय सर्राफा एवं आभूषण संघ के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का भाव 10 ग्राम पर 5,947 रुपये घटकर 1,23,000 रुपये रह गया। इस गिरावट के साथ सोना करीब एक साल पुराने स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 24 नवंबर 2025 को सोने का भाव 1,23,308 रुपये था।

चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। एक किलो चांदी 9,789 रुपये सस्ती होकर करीब 1.50 लाख रुपये पर आ गई। जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और ऊंचे भाव पर निवेशकों की ओर से मुनाफा वसूली किए जाने से दोनों कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

इस साल सोने-चांदी ने तेजी के नए कीर्तिमान बनाए थे। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपये था, जो 29 जनवरी 2026 को बढ़कर 1.76 लाख रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

इसके बाद कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव रहा। इसी तरह चांदी 31 दिसंबर को 2.30 लाख रुपये प्रति किलो थी और 29 जनवरी को 3.80 लाख रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। अब दोनों धातुओं के भाव में बड़ी गिरावट आई है।

सोना खरीदते समय भारतीय मानक ब्यूरो का हॉलमार्क और छह अंकों वाला पहचान क्रमांक जरूर जांचें। 22, 24 और 18 कैरेट सोने के भाव अलग-अलग होते हैं। खरीदारी से पहले भारतीय सर्राफा एवं आभूषण संघ के भाव से कीमत का मिलान करें। वहीं, चांदी खरीदते समय उसकी शुद्धता और हॉलमार्क की जानकारी लें। केवल चुंबक या घरेलू जांच के आधार पर चांदी की असलियत तय नहीं करनी चाहिए।

मणिपुर में सुरक्षा बलों का बड़ा अभियान केसीपी का उग्रवादी मुठभेड़ में ढेर



युरेम्बाम में तलाशी अभियान के दौरान हुई गोलीबारी

प्रतिबंधित संगठन के कई अन्य सदस्य भी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। मणिपुर के इंफाल पश्चि म जिले में शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें प्रतिबंधित कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) से जुड़े एक उग्रवादी को मार गिराया गया। घटना पटसोई थाना क्षेत्र के युरेम्बाम इलाके की है। यहां सुरक्षा बल तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। जवाबी कार्रवाई में एक उग्रवादी मारा गया।

अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ में मारा गया व्यक्ति केसीपी के एक गुट से जुड़ा था। सुरक्षा बलों ने कार्रवाई के दौरान प्रतिबंधित संगठन के कई अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। क्षेत्र में उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान जारी है।

मणिपुर में मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद से संवेदनशील इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। हिंसा में अब तक 306 लोगों की मौत और 49 लोगों के लापता होने की जानकारी दी गई है। हजारों लोग विस्थापित भी हुए हैं।

संघर्ष की प्रमुख वजहों में जमीन, आरक्षण और जनजातीय पहचान से जुड़े विवाद शामिल हैं।

ठाकुर बांकेबिहारी के दरस को श्रद्धालुओं से लबालब हुईं गलियां



देवोत्थान एकादशी पर बांके बिहारी की झलक पाने को आतुर दिखे श्रद्धालु।



बांके बिहारी के दर्शन को श्रद्धालुओं से लबालब हुई गालियां।

यूनिक समय, मथुरा। देवोत्थान एकादशी पर ठा. बांकेबिहारी के दर्शन की अभिलाषा लेकर वृंदावन पहुंचे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से शहर की गलियां लबालब हो गईं। सुबह से ही मंदिर की ओर जाने वाले रास्तों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ना शुरू हो गया। देखते ही देखते गलियां श्रद्धालुओं से ठसाठस भर गईं। भीड़ का दबाव इतना अधिक था कि कई स्थानों पर लोगों के कदम तक थम गए। तीन दिन से लगातार उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ ने व्यवस्थाओं की परीक्षा ले ली, लेकिन प्रशासनिक इंतजाम भीड़ के आगे बौने साबित हुए।

परिक्रमा और बांकेबिहारी के दर्शन

भीड़ के दबाव में थमे कदम, वाहनों के जाम में बुजुर्ग और बच्चे बेहाल

प्रशासनिक इंतजाम नाकाफी, सुबह से शाम तक श्रद्धालु झेलते रहे परेशानी

की अभिलाषा मंदिर की ओर जाने वाले संकरे रास्तों पर पैदल श्रद्धालुओं के साथ वाहनों की आवाजाही ने हालात और बिगाड़ दिए। जगह-जगह जाम लगने से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। भीड़ के बीच फंसे बच्चे और बुजुर्ग घुटन और धक्कामुक्की से बेहाल नजर आए। कई श्रद्धालु रास्ता पार करने के लिए जद्दोजहद करते रहे।

सुबह से शाम तक यही स्थिति बनी रही। दूर-दराज से ठाकुरजी के दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु अव्यवस्थाओं के बीच परेशान होते रहे। भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात सुचारु रखने के इंतजाम नाकाफी नजर आए। इंटरनेट मीडिया पर भी वृंदावन की जाम और भीड़ से जूझती गलियों के वीडियो वायरल होते रहे। श्रद्धालुओं की आस्था के सैलाब के बीच व्यवस्थाओं की बदहाली ने दर्शन की राह मुश्किल कर दी।



नहीं सुधरे हालात: शुक्रवार को भी कान्हा की नगरी जाम से जूझती रही। हाइवे थाना चौराहा तो जाम का बड़ा केंद्र बन चुका है, यहां तीन दिन से शाम के समय लंबा जाम लगता है। अब शुक्रवार को गोवर्धन से आने वाले वाहनों की वजह से शाम को हाइवे पर गोवर्धन चौराहा से पीछे की ओर तक लंबा जाम लग गया, जिसमें सैंकड़ों वाहन फंस गए।

हरिनाम संकीर्तन और दीपदान से जगमगाया चंद्रोदय मंदिर



दीपदान से जगमगाता चंद्रोदय मंदिर।

यूनिक समय, वृंदावन। कान्हा की नगरी में कार्तिक मास की भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच चंद्रोदय मंदिर में शुक्रवार को तीन दिवसीय भव्य कार्तिक उत्सव का शुभारंभ हुआ। हरिनाम संकीर्तन, मधुर भजनों और दीपदान के आयोजन ने मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया। उत्सव के पहले दिन भजन संध्या में भजन गायक अगम अग्रवाल और मंदिर के भक्तों की सुमधुर प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। भजन संध्या के बाद मंदिर परिसर में दीपदान का आयोजन किया गया। कार्तिक मास में भगवान श्रीराधा-दामोदर की आराधना और दीपदान की विशेष धार्मिक महत्ता को देखते हुए बड़ी संख्या में भक्तों ने इसमें भाग

दामोदराष्टकम के भक्तिमय गान के साथ तीन दिवसीय कार्तिक उत्सव का शुभारंभ

लिया। चंद्रोदय मंदिर की ओर से आयोजित यह तीन दिवसीय कार्तिक उत्सव श्रद्धालुओं को भक्ति, आध्यात्मिक साधना और भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं से जुड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है। उत्सव के अगले दो दिनों में भी विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें श्रीश्री राधा वृंदावनचंद्र का भव्य नौका विहार और शोभायात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

दीपदान के साथ चार दिवसीय श्रीकृष्ण महोत्सव का समापन



दीपदान करते परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक, राकेश तिवारी और अन्य गणमान्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में चार दिनों तक चले श्रीकृष्ण महोत्सव (कंस वध मेला) का गुरुवार को विश्राम घाट पर यमुना में दीपदान के साथ समापन हो गया। श्रद्धालुओं ने यमुना महारानी को दीप अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। दीपों की जगमगाहट से यमुना तट का वातावरण भक्तिमय हो उठा।

श्री माथुर चतुर्वेदी परिषद के तत्वावधान में अंतिम दिन विश्राम घाट पर दीपदान के साथ चार दिवसीय महोत्सव को विराम दिया गया।

दीपदान का शुभारंभ परिषद के मुख्य संरक्षक-अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक, अध्यक्ष राजन पाठक, संरक्षक नवीन नागर, गिरधारी लाल पाठक और राकेश तिवारी एडवोकेट ने किया। महेश पाठक ने आयोजन

विश्राम घाट पर यमुना महारानी को अर्पित किए दीप

की सफलता में सहयोग देने वाले परिषद पदाधिकारियों और समाज के लोगों का आभार जताया। अध्यक्ष राजन पाठक ने कहा कि चतुर्वेदी समाज को आगे बढ़ाने के लिए वरिष्ठजनों के अनुभव और युवाओं के उत्साह को साथ लेकर कार्य किया जाएगा।

इस अवसर पर योगेंद्र चतुर्वेदी, कमल चतुर्वेदी, महामंत्री संजय चतुर्वेदी अल्पाइन, नीरज चतुर्वेदी, हरदेव चतुर्वेदी, श्याम मनु, मंत्री संजय चतुर्वेदी, निरीक्षक आशीष चतुर्वेदी, एडवोकेट युवा समिति के पदाधिकारी, राजकुमार, कपू सहित परिषद के अन्य पदाधिकारी और समाज के लोग उपस्थित रहे।

रोती मिली चार साल की बच्ची, परिजनों को सौंपा

यूनिक समय, मथुरा। मांट चौराहे पर गश्त के दौरान मिशन शक्ति टीम को शुक्रवार को चार साल की बच्ची रोती हुई मिली। टीम ने बच्ची को अपने संरक्षण में लेकर परिजनों की तलाश शुरू की। सोशल मीडिया पर बच्ची का फोटो प्रसारित होने के बाद परिजन थाने पहुंच गए। पुलिस ने बच्ची को उसकी दादी के सुपुर्द कर दिया। पुलिस के अनुसार, काफी प्रयास के बाद भी बच्ची के माता–पिता और परिवार का पता नहीं चल सका तो टीम उसे मांट थाने ले आई। इसके बाद बच्ची का फोटो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कराया गया। इसी दौरान बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी मांट भेजा गया। इंटरनेट मीडिया पर फोटो देखकर परिवार के लोग थाने पहुंच गए और बच्ची की पहचान की। इसके बाद मिशन शक्ति टीम ने बच्ची को उसकी दादी निवासी मांट मूला के सुपुर्द कर दिया।

सैनी समाज के सामूहिक विवाह में पांच जोड़े परिणय सूत्र में बंधे



नवयुगल दंपतियों को आशीर्वाद देते सपा नेता और समाज के बंधु।

यूनिक समय, मथुरा। महात्मा ज्योतिराव फुले विकास समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को नगला चिरंजी, गोला कुआं, जमुनापार में सैनी समाज का 21वां सामूहिक विवाह समारोह धूमधाम से हुआ। समारोह में पांच जोड़े हिंदू रीति-रिवाज से परिणय सूत्र में बंधे।

कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा ज्योतिराव फुले और माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। जमुनापार पैंठ से बैंड-बाजों के साथ बारात निकाली गई। विवाह स्थल पर महिलाओं ने दूल्हों का तिलक और आरती कर स्वागत किया। इसके बाद वर-वधुओं ने एक–दूसरे को वरमाला पहनाई। अतिथियों और समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा कर नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया। सात फेरों के साथ विवाह संस्कार संपन्न हुए। समिति और अतिथियों की ओर से नवदंपतियों को गृहस्थ जीवन के लिए उपहार भी भेंट किए गए। मुख्य अतिथि सपा नेता अनिल अग्रवाल ने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह समाज में समरसता, सादगी और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

21वें सामूहिक विवाह समारोह में धूमधाम से निकली बारात, नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

महात्मा फुले के आदर्शों पर चलकर ही समाज का उत्थान संभव है। कार्यक्रम संयोजक मुकेश सैनी नेताजी ने अतिथियों का साफा और पटका पहनाकर स्वागत किया। समिति अध्यक्ष रमेश सैनी ने सभी सहयोगियों और दानदाताओं का आभार जताया।

अध्यक्षता डॉ. राजकुमार सैनी और गिर्राज प्रसाद सैनी ने की। इस दौरान बुद्धिलाल सैनी, कन्हैयालाल सैनी, गुलाब सैनी, लुकेश कुमार राही, रामदयाल सैनी, अरविंद सैनी, पप्पू सैनी, विनोद सैनी, जगदीश सैनी, ओमप्रकाश सैनी, पीतम सैनी, निरंजन सैनी, मनीष सैनी, संतोष सैनी, अनिल सैनी, प्रेमचंद सैनी सहित समाज के लोग मौजूद रहे।